वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 111 | बुधवार 14 अगस्त 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अतिवृष्टि और जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया

करौली, दौसा, भरतपुर जिलों में लिया हालात का जायजा। आपदा राहत कार्यों में मुस्तैदी बरतने, प्रभावितों के लिए सभी जरूरी सामग्री सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को करौली, दौसा और भरतपुर जिलों में जलभराव व अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने राजकीय पीजी महाविद्यालय करौली में संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर जलभराव वाले क्षेत्रों में आपदा राहत कार्य मुस्तैदी से किए जाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने दौसा जिले में लवाण, राहुवास, निझ्रना, लालसोट, करौली जिले में करौली, सपोटरा, हिण्डौन सिटी और भरतपुर जिले में महरावर, समोगर, धुरैरी, महुआली, नहरौली, थाना डांग, चहल, सिंघाडा, सीदपुर, पुराबाई खेडा और नदी गांव का हवाई सर्वे कर अतिवृष्टि से हुए जल भराव और नुकसान का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जलभराव क्षेत्रों में प्रभावित लोगों को पेयजल, खाद्य सामग्री, दूध, चिकित्सा सुविधा सहित जरूरी चीजों की कमी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अब तक किये गये आपदा राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी लेते हुए करौली एवं हिण्डौन शहर में जल भराव की समस्या का स्थाई समाधान करने के लिये भी अधिकारियों को निर्देश दिये। उन्होंने अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों में क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत और विद्युत आपूर्ति सुचारू किए जाने के भी निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव (आपदा प्रबंधन एवं राहत) आनंद कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल, जिला प्रभारी सचिव आशुतोष एटी पेडणेकर, संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा, पुलिस महानिरीक्षक भरतपुर रेंज राहुल प्रकाश, जिला कलक्टर नीलाभ सक्सेना, पुलिस अधीक्षक बृजेश उपाध्याय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

भरतपुर में आवासीय क्षेत्रों से जल निकासी की समुचित व्यवस्था के दिए निर्देश: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भरतपुर जिले में हवाई सर्वे के दौरान जलभराव क्षेत्रों के साथ-साथ गम्भीर नदी के तटीय क्षेत्रों का जायजा भी लिया। उन्होंने झील का बाड़ा हैलीपेड पर प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक लेकर पानी निकासी एवं राहत कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने गम्भीर नदी के तटीय क्षेत्रों में बसे नागरिकों को बहाव क्षेत्र से दूर रहने के लिए प्रेरित करते हुए जलभराव से प्रभावित गांव में मूलभूत सुविधाओं को सुचारू रखते हुए निरंतर सम्पर्क में रहने के निर्देश दिए। उन्होंने जल भराव प्रभावित आवासीय क्षेत्रों में जल निकासी की व्यवस्था की जानकारी ली और निर्देश दिए कि अत्यधिक वर्षा के दौरान जलस्त्रोतों के आसपास आमजन को नहीं जाने के लिए पाबंद किया जाए। इस दौरान विधायक ऋतु बनावत, बहादुर सिंह कोली, डॉ. शैलेष सिंह सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, जिला प्रभारी सचिव शुचि त्यागी, जिला कलक्टर डॉ. अमित यादव व जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री शर्मा ने पिछले 11 अगस्त को बयाना उपखंड के पिदावली ग्राम के पास बाण गंगा नदी के गड्ढे में डूबे 7 युवकों के घर श्रीनगर गांव पहुंच कर घटना पर दुख व्यक्त किया एवं परिवारजनों को ढ़ांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण घटना है और राज्य सरकार दुख की इस घड़ी में परिजनों के साथ है। राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक मृतक के परिजनों को एसडीआरएफ मद से चार-चार लाख रुपए की सहायता राशि दी गई है। मुख्यमंत्री ने जिला कलक्टर को निर्देश दिए कि मृतक आश्रितों को पात्रता के अनुसार सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाया जाए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने तिरंगा मैराथन को किया रवाना

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार सुबह हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा मैराथन को अल्बर्ट हॉल से रवाना किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने आसमान में गुब्बारे छोड़कर हर घर में तिरंगा फहराने का संदेश दिया। शर्मा ने राष्ट्रीय ध्वज थामे स्वयं भी धावकों के साथ मैराथन में हिस्सा लिया। जयपुर ग्रेटर नगर निगम द्वारा आयोजित इस रैली में हजारों धावकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। शर्मा ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऐसी अभिनव पहल है, जो देश के प्रत्येक नागरिक में राष्ट्रीय स्वाभिमान और गौरव की भावना जागृत करती है। आजादी के अमृत महोत्सव के तत्वाधान में शुरू किया गया यह अभियान अब एक जन आंदोलन बन गया है। इस अभियान के तहत घर में ध्वज फहराना ना केवल तिरंगे से व्यक्तिगत जुड़ाव का अहसास करवाता है, बल्कि राष्ट्र निर्माण में हम सभी नागरिकों की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तिरंगा हमारे राष्ट्रीय स्वाभिमान, एकता तथा अखण्डता का प्रतीक है तथा इस तिरंगा मैराथन के माध्यम से हम सभी राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के सम्मान में देश के प्रति कृतज्ञता व्यक्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी को देश के विकास में योगदान देने का संकल्प लेना चाहिए जिससे विकसित भारत की परिकल्पना साकार हो सके। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि हम सभी राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव से काम करें जिससे देश एवं प्रदेश आगे बढ़ सकें। इस अवसर पर सांसद मंजू शर्मा, जयपुर नगर निगम ग्रेटर महापौर सौम्या गुर्जर, जयपुर कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित सहित नगर निगम ग्रेटर के अधिकारी मौजूद रहे।

प्रदेश में मनाया गया पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस

पुस्तकालय विज्ञान के जनक के डॉ एसआर रंगनाथन के जन्मदिन पर मनाया जाता है लाइब्रेरियन डे

अर्पित जैन. शाबाश इंडिया

जयपुर। प्रदेश में पुस्तकालय विज्ञान के जनक पदम श्री डॉ रंगनाथन के जन्म दिवस पर आज लाइब्रेरियन डे मनाया गया। पुस्तकालय संघ राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष कमल कनावरिया ने बताया कि 12 अगस्त को भारत में राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस के रूप में चिह्नित किया गया है। डॉ. एसआर रंगनाथन, जिन्हें भारत में पुस्तकालय विज्ञान के जनक के रूप में जाना जाता है, का जन्मदिन भारत में हर साल राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस के रूप में मनाया जाता है। वह बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (1945-47) में एक विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष और पुस्तकालय विज्ञान के प्रोफेसर और दिल्ली विश्वविद्यालय (1947-55) में पुस्तकालय विज्ञान के प्रोफेसर थे।1957 में उन्हें सूचना और प्रलेखन के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ का संमानित सदस्य चुना गया और उन्हें ग्रेट ब्रिटेन के पुस्तकालय संघ के कार्यकाल के लिए उपाध्यक्ष बनाया गया। पुस्तकालय संघ के आव्हान पर पूरे प्रदेश में ये दिवस उत्सव की तरह मनाया गया।

छात्रों ने ली नशा मुक्ति की शपथ

चंद्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया

श्री महावीर जी । श्री महावीर जी स्थित विजयसिंहपथिक महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना' की संचालित तीनो ईकाईयो के नशामुक्त भारत अभियान' का आयोजन किया गया, जिसमे प्राचार्य एवं निदेशक रंगेलाल द्वारा नशा' से उत्पन्न होने वाली गम्भीर बिमारियों के बारे में विस्तार सेवल्या एवं नशा किसी भी प्रकार का नहीं करने के लिए शपथ ग्रहण करवाई गई, महाविद्यालय में उपस्थित सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओ को विकसित भारत का मंत्र, भारत हो नशे से मुक्त नारे के साथ नशामुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत एक जुट होकर शपथ प्रतिज्ञा करवाई गई। उपस्थित सभी ने नशामुक्त भारत बनाने के लिए दृढ निश्चय किया । इस मौके पर संचालक बिजेंद्र सिंह नवेंद्र सिंह सहित गणमान्य लोग उपस्थित थे ।

भगवान पार्श्वनाथ ने अज्ञानता के अंधकार में भटक रहे मनुष्य को दिखाया धर्म का मार्ग: कमलेश जैन सीए

अजय जैन. शाबाश इंडिया

सम्मेद शिखर जी।भगवान पार्श्वनाथ के मोक्ष कल्याणक दिवस यानी मोक्ष सप्तमी के पावन दिवस पर जैसवाल जैन समाज के वरिष्ठ जनों ने झारखंड के सम्मेद शिखर जी पहुँचकर भगवान के दर्शन कर लौट रहे यात्रियों को स्वल्पाहार वितरित कर पहाड़ पर पूजा अर्चना की इस मौके पर कमलेश जैन सीए एवं सुदीप जैन ने कहा कि जीवन स्वयं एक तपस्या है। सुविधाओं के बीच सीमाकरण में रहना और अभावों के बीच तृप्ति को पा लेना भी तप है। प्रतिकूलताओं को समत्व से सह लेना, वैचारिक संघर्ष में सही समाधान पा लेना, इन्द्रियों को विवेकी बना लेना, मन की दिशा और दृष्टि को बदल देना भी तप है और ऐसे ही तप के माध्यम से पार्श्वनाथ न केवल स्वयं तीर्थंकर बने बल्कि जन-जन में ऐसी ही पात्रता को उन्होंने विकसित भी किया। उनकी साधना की कसौटी थी शुद्ध आत्मा में धर्म का स्थिरीकरण। सुदीप जैन ने कहा कि बिना पवित्रता धर्म आचरण नहीं बन सकता। जैसे-मुखौटों में सच नहीं छिपता, वैसे ही वासनाएं, कामनाएं, असत संस्कार और असत व्यवहार धर्म को आवरण नहीं बना सकता। इसलिए उपासना के इस बिन्दु से जोड़े कि धर्म मंदिर या पूजा पाठ में नहीं, धर्म मन के मंदिर में हैं। भगवान पार्श्वनाथ ने अहिंसा एवं सह-अस्तित्व का दर्शन दिया था रूपेश जैन ने कहा कि अहिंसा सबके जीने का अधिकार है, भगवान ने इसे स्वीकृत किया। तीर्थंकर पार्श्वनाथ उन धर्मनायकों एवं तीर्थंकरों में से ही ऐसे महापुरुष थे, जो धर्म नीतियों का प्रकाश संसार में लेकर आए और उन्होंने ऐसे जीवन मूल्यों की स्थापना की जिनके माध्यम से धर्म एक नये रूप में प्रस्तुत हुआ। इस धर्म दर्शन में जीवन के इर्द-गिर्द छिपी बाहरी ही नहीं, भीतरी परछाइयां भी रोशनी बनकर प्रस्तुत होती है। अच्छाइयों की सही पहचान होती है,श्री मती शशि जैन ने कहा कि अहिंसक मन कभी किसी के सुख में व्यवधान नहीं बनता। भगवान पार्श्वनाथ ने जो कुछ कहा, सत्य को उपलब्ध कर कहा। वे प्रणम्य बने अपनी तपस्विता एवं पवित्रता की बुनियाद पर। उनका सम्पूर्ण जीवन, आदर्श और सिद्धान्त मानवता के नाम आत्म-विकास की प्रेरणा है।श्री मती रश्मि जैन ने कहा कि भगवान पार्श्वनाथ हमारे लिए वंदनीय है। वे हमारे जीवन दर्शन के स्रोत हैं, प्रेरक आदर्श हैं। उन्होंने जैसा जीवन जीया, उसका हर अनुभव हमारे लिए साधना का प्रयोग बन गया। उन्होंने हमारे भीतर सुलभ बोधि जगाई, व्रत की संस्कृति विकसित की, समत्व की साधना को संभव बनाया। बुराइयों का परिष्कार कर अच्छा इंसान बनने का संस्कार भरा। पुरुषार्थ से भाग्य बदलने का सूत्र दिया। क्योंकि हम कुछ होना चाहें और पुरुषार्थ न करें तो फिर बिना लंगर खोले रात भर नौका खेने वाले नादान मल्लाह की तरह असफलता हाथ आएगी। इसलिए उन्होंने कर्मवीर बनने का संदेश दिया। श्रीमती डॉली जैन ने कहा कि भगवान पार्श्वनाथ ने लगभग 70 वर्ष तक जनता को आलोक बांटा। 100 वर्ष की आयु में एक मास का उपवास करते हुए सम्मेद शिखर पर श्रवण शुक्ल अष्टमी को उन्होंने निर्वाण प्राप्त किया। उनके निर्वाण दिवस के अवसर पर जरूरत है हम ऐसा संकल्प ले कि भगवान पार्श्वनाथ को सिर्फ शास्त्रों में ही न पढ़ें, प्रवचनों में ही न सुनें बल्कि पढ़ी और सुनी हुई ज्ञान-राशि को जीवन में उतारें तभी एक महाप्रकाश को अपने भीतर उतरते हुए देखेंगे।

सुसंस्कार ही श्रेष्ठ जीवन का आधार

उदयपुर. शाबाश इंडिया। संगिनी उदयपुर मैन द्वारा ''सुसंस्कार ही श्रेष्ठ जीवन का आधार'' कार्यक्रम श्वेतांबर जैन मंदिर सेक्टर 4 की जैन पाठशाला में आयोजित किया गया। पाठशाला के अध्यापक पंचम जैन एवं सुप्रिया जैन बच्चों को धार्मिक ज्ञान के साथ-साथ सुसंस्कारित करने हेतु सदैव तत्पर रहते हैं। संगिनी मेन की अध्यक्ष डॉ प्रमिला जैन ने अपने उद्बोधन में संस्कारों का जीवन में महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हमें देव, गुरु व धर्म पर सच्ची श्रद्धा रखते हुए अनुशासित जीवन शैली अपनानी चाहिए। कुव्यसनों से दूर रहते हुए सुसंस्कारों से व्यक्तित्व को निखारना हैं। सुसंस्कारित बच्चे ही हमारे जैन समाज के सुदृढ़ निर्माण में योगदान कर सकते हैं। सरोज तलेसरा ने बच्चों को मेमोरी बढ़ाने के टिप्स दिए वहीं नमिता मेहता ने बच्चों को किसी भ्रम में नहीं पड़ कर सच्चाई का अनुसरण करने के लिए प्रेरित किया। बच्चों को कॉपी, पेन व फल वितरित किए गए। इसी के साथ एनिमल एड सोसाइटी को घायल व बीमार पशुओं के इलाज हेतु सहायता राशि भेंट की गई। इस अवसर पर श्री श्वेतांबर जैन मंदिर सेक्टर चार के अध्यक्ष सुशील बांठिया,सचिव अशोक नागौरी, नमिता मेहता, सरोज तलेसरा, शशि कंठालिया, मंजू मेहता, हिम्मत जैन हिम्मत तलेसरा उपस्थित रहे।

गुणानुराग के बिना भक्ति मात्र छल हैः भावलिंगी संत

भव भव के पापों की क्षणभर में क्षम करती है भक्तिः आचार्य श्री विमर्श सागर जी

सोनल जैन. शाबाश इंडिया

नई दिल्ली। श्री दिगम्बर जैन महावीर जिनालय से जिनधर्म की प्रभावना का संदेश - सिर्फ दिल्ली ही नहीं पूरे N.C.R. में गूंज रहा है। परम पूज्यनीय जिनागम पंथ प्रवर्तक आदर्शमहाकवि भावलिंगी संत श्रमणाचार्य श्री

विमर्शसागर जी महामुनिराज विशाल चतुर्विध संघ इस समय कृणानगर दिल्ली में चतुर्मास चल रहा है। चतुर्थ कालीन श्रेष्ठ चर्या और अनुशासन के धनी पूज्य आचार्य प्रबर की वाणी में ऐसा अद्भुत ओज है कि जो एक बार सुन लेता है वह पुनः सुनने के लिये लालायित हो उठता है। उनके वात्सल्य मयी व्यक्तित्व की ऐसी प्रभावना है कि जो एक बार दर्शन करता है वो उनका ही होके रह जाता है। ऐसे महान दिगम्बर जैनाचार्य के पावन सानिध्य में राजधानी में प्रथम बार श्री भक्तामर शुद्धोच्चारण शब्द सिद्धि प्रशिक्षण शिविर का आयोजन चल रहा है। प्रतिदिन पूरे दिल्ली ठ.उ.फ से सेकड़ों गुरुभक्त इस अद्भुत और अपूर्व - अवसर का लाभ उठा रहे हैं। श्री भक्तामर महिमा की विशेष व्याख्या करते हुये आचार्य श्री ने कहा कि भगवान की निश्छल भक्ति से भव-भव से बंध हुये पापकर्म भी क्षणभर में क्षय की प्राप्त हो जति हैं। भगवान के द्वार पर आकर, प्रभु को अपने सन्मुख पाकर अगर स्वयं के अंदर से स्वयं के दोषों की स्वीकृति का भाव आने लग जाये, और परमात्मा का पूर्ण गुणमय स्वभाव हमारी श्रद्धा के दर्पण में झलकने लग जाये तो निश्चित मानना कि अब हमारे अंदर जो भक्ति जन्म ले रही है वो हमार जन्म-मरण के चक्रब्यूह की ध्वस्त कर देगी। भगवान का दर मोर भगवान् तो अनेकों बार मिला है परन्तु प्रभु को पाकर भी भावी प्रभु के सच्चे स्वरूप की श्रद्धा हमारे अंदर जागृत नहीं हो सभी, भार न ही हम अपने दोषों की प्रभु के सन्मुख स्वीकार कर सके। गुणों - बोध हुये बिना गुणानुराग का भाव 'पैदा नहीं हो सकता। भार गुणानुराग के बिना भक्ति कभी सफल नहीं होती। सच्चा साधनु राज भगवान के सन्मुख उनकी पूर्णता और अपनी अपूर्णता को निवदित करता है। वो जानता है कि अभी मैं साधना कामथ का मात्र पथिक हैं, अपनी मंजिल पनि के लिये मुझे भगवान के गुणमय स्वभाव भी स्वीण्यात हैं। अपने अंदर भी करना होनी । सच्चा योगी इस बात को अच्छी तरह से मानता है कि मेरे अंदर अभी सिर्फ मार्ग भी पवित्रता है और प्रआन आपके पास मार्गफल की पवित्रता है।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

शिखर की ऊंचाई पर वो ही पहुंच पाते हैं जो प्रतिशोध के बजाय परिवर्तन की सोच रखते हैं...!

तीन तरह के लोग हैं इस दुनिया में, एक वो - जो मन को मार कर जी रहे हैं।
दूसरे वो - जो जीवन को बोझ समझ कर ढो रहे हैं।
तीसरे वो - जो सोच समझ कर, विवेक पूर्वक जी रहे हैं।

इसमें पहले व्यक्ति को भगवान भी सुखी नहीं कर सकते। क्योंकि उसने सोच रखा है कि मैं कुछ नहीं कर सकता। मुझसे कुछ नहीं होता। जो दिन भर में सौ बार मन से मर रहा हो, वो क्या करेगा ज़िन्दगी में-? ऊंची सोच - पुण्य का पथ है, तो नीची सोच - पाप का मार्ग। इसलिए -- हार से डर जाने से बेहतर है, जीत की कोशिशों में मर जाना..! दूसरे वे लोग

हैं - जो जीवन को बोझ समझ कर ढो रहे हैं। बाबू - बोझ कौन ढोता है-? इंसान या गधा? सफलता के लिये सोये हुए पुरूषार्थ को जगाना पड़ेगा। मन की कमजोरियों पर विजय प्राप्त करें। मन की अपंगता हमें अपाहिज कर रही है। घर बैठे भाग्य नहीं बदलता। संघर्ष तो करना ही होगा। हमें दीपक की तरह जलना और जूझना है। क्योंकि आशा, विश्वास और उम्मीदों के चिराग आंधियों से नहीं बुझते। तीसरे वे लोग हैं जो स्वयं जी रहे हैं और सबको जीने की प्रेरणा दे रहे हैं। अच्छा मन, अच्छा नजरिया हमारे जीवन को उत्साह और प्रेम, सदभाव, मैत्री से भर सकता है। जो आज तक हुआ सो हुआ। अब ऐसा कोई काम मत करो, जिससे मन की शान्ति, समृद्धि, और सूकून मन को चिन्ताओं से दबा दे। क्योंकि सुबह का भूला दोपहर को घर आ जाये तो भूला ना कहलाये।

-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

वेद ज्ञान

प्रेरणा कर्म का परिणाम

प्रेरणा किसी भी कर्म का मूल और परिणाम होती है। इसके बिना हम किसी कार्य की शुरूआत ही नहीं कर सकते। यह एक ऐसी ऊर्जा है, जो कार्य को करने के लिए प्रेरित करती रहती है। कार्य के पीछे प्रबल प्रेरणा से ही असंभव जैसे कठिन कार्य समय के साथ पूरे कर लिए जाते हैं। कोई भी चीज यों ही अनमने ढंग से पाई और पूरी नहीं की जा सकती है। किसी कार्य को शुरू से अंत तक एक लय के साथ करना एक चुनौती है, जो किसी विशिष्ट उद्देश्य से प्रेरित हुए बिना असंभव है। जहां भी हमारी प्रेरणा कमजोर होती है। हमारे कार्य का अंजाम लड़खड़ा जाता है। असफलता के कारणों का यदि सूक्ष्म विश्लेषण किया जाए तो पता चलेगा कि इनमें अधिकतर का कारण प्रेरणा का अभाव ही है। सफल व्यक्तियों या महापुरुषों की जीवनगाथा को देखें तो पता चलेगा कि वे अपने लक्ष्य के प्रति प्रेरित थे। प्रेरणा कैसे मिले? कौन हमें प्रेरित करे? और इसे कैसे लगातार बनाए रखें? समाज में जिसकी प्रतिष्ठा होती है, जिसे अच्छा माना जाता है, हम उसी ओर आकर्षित होते हैं। समाज के मूल्य और मानदंड हमें उस ओर जाने की अनायास प्रेरणा देते हैं। हम उसे पाने के लिए बरबस चल पड़ते हैं। मूल्यों की उत्कृष्टता और निकृष्टता समाज के ऊपर निर्भर करती हैं, परंतु समाज में जो भी मूल्य प्रभावी होंगे, वही हमें प्रेरित एवं प्रभावित करते हैं। समाज हमारी प्रेरणा का प्रमुख केंद्र है। स्वतंत्रता आंदोलन में वीर बलिदानियों की लंबी सूची है। ये शहीद भारतमाता के चरणों में अपने जीवन को खुशी-खुशी इसी कारण उत्सर्ग कर सके, क्योंकि राष्ट्र के प्रति अपार प्रेम ही उन्हें इस ओर प्रेरित करता रहा। उनकी प्रेरणा कभी कमजोर नहीं पड़ी और वे कभी दुर्बल नहीं हुए। आज समाज में धन की सर्वोपरि प्रतिष्ठा है। इसलिए यह प्रतिष्ठा हमारी प्रेरणा बन गई है। धन उपार्जित करना बुरी बात नहीं है। धन उपार्जन करना चाहिए, परंतु इसके लिए नैतिक मूल्यों को ताक में रखकर नहीं। आज अधिकांश लोग केवल किसी भी प्रकार से रातोंरात धनवान हो जाने की कार्ययोजना को क्रियान्वित करने में जुटे हैं। यहां पर जो चीज उन्हें प्रेरित कर रही है, वह है धन, लेकिन याद रखें धन से आप सुख-सुविधाएं और वस्तुएं खरीद सकते हैं, लेकिन शांति नहीं खरीद सकते।

संपादकीय

हिंसा और दहशत से क्या हुआ हासिल?

मणिपुर की हिंसा अब एक ऐसे दौर में प्रवेश कर गई लगती है, जहां एक ही समुदाय के लोग एक-दूसरे के दुश्मन बनते जा रहे हैं। तेंगनौपाल जिले में उग्रवादियों और एक ही समुदाय के ग्रामीण स्वयंसेवकों के बीच हुई गोलीबारी और उसमें चार लोगों की मौत इसका उदाहरण है। वहां यूनाइटेड कुकी लिबरेशन फ्रंट यानी यूकेएलएफ और कुकी समुदाय के ही ग्रामीणों के बीच गोलीबारी हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों ने यूकेएलएफ प्रमुख का घर जला डाला। प्रशासन का कहना है कि यह उगाही पर नियंत्रण करने की कोशिश में हुआ टकराव हो सकता है। सच्चाई जो हो, पर यह बहुत चिंताजनक स्थिति है। करीब सवा साल पहले मैतेई समुदाय को भी जनजाति की श्रेणी में शामिल करने को लेकर उभरा मतभेद और आक्रोश कुकी और मैतेई के बीच खूनी संघर्ष में परिणत हो गया। राज्य सरकार की लापरवाही या रणनीतिक चुप्पी की वजह से यह समस्या लगातार सुलगती रही। आज स्थिति यह है कि न तो कुकी इलाकों में मैतेई प्रवेश कर पाते हैं और न मैतेई इलाकों में कुकी। कभी साथ रहने वाले दोनों समुदाय के लोग एक-दूसरे की जान के दुश्मन बने बैठे हैं। अब अगर आपस में ही संघर्ष की नई स्थितियां उभरने लगी हैं, तो स्थिति बहुत गंभीर मानी जानी चाहिए। मणिपुर की हिंसा में अब तक दो सौ से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं, साठ हजार से अधिक लोग अपने घरों से विस्थापित होकर राहत शिविरों में रहने को मजबूर हैं, ग्यारह हजार से अधिक घर जला दिए गए हैं। न तो बच्चों की पढ़ाई-लिखाई हो पा रही है, न लोग अपने काम-धंधे पर लौट पा रहे हैं। ग्रामीण इलाकों के लोगों ने खुद अपने सुरक्षा दस्ते बना लिए हैं। वे बारी-बारी से पहरा देते हैं। इन स्थितियों में उग्रवादी संगठनों ने भी अपने पांव पसार लिए हैं। जाहिर है, उग्रवादी संगठनों का खर्च उगाही से ही निकल पाता है। ऐसे में अगर ग्रामीण समुदायों से उन्हें प्रतिकार मिल रहा है, तो इसकी असल वजहें जानने का प्रयास होना चाहिए। मगर सरकार को शायद इसका अवकाश नहीं। पिछले दिनों वहां के मुख्यमंत्री ने मणिपुर की स्थिति पर बयान तो दिया था, मगर वे इन हालात से निपटने के लिए क्या कर रहे हैं, उसकी कोई भरोसेमंद रणनीति उनके पास नहीं है। सरकार को यह समझने की जरूरत है कि हिंसाग्रस्त इलाकों में सरकार और सुरक्षाबलों की लापरवाही या कमजोरी का नतीजा चरमपंथ के रूप में प्रकट होता है। ऐसा कतई नहीं माना जा सकता कि अगर केंद्र और राज्य सरकारें संजीदा होतीं, तो मणिपुर की हिंसा अब तक रुक न गई होती। मगर शुरू से ही इसे लेकर शिथिलता बरती गई, बल्कि कई ऐसे भी उदाहरण मौजूद हैं जब सत्तापक्ष की तरफ से उपद्रवियों को उकसावा मिला। शस्त्रागार से हथियार लूट लिए गए, पुलिस के घेरे में स्त्रियों का बलात्कार हुआ, राजनेताओं तक के घरों को निशाना बनाया गया। गोलीबारी की ताजा घटना के बीच एक पूर्व विधायक के घर के पास रखा बम फटने से उनकी पत्नी की मौत हो गई। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

संतुलन जरूरी

संसद का बजट सत्र समाप्त हो गया, लेकिन लोक और सत्तारूढ़ गठबंधन के सांसदों, मंत्रियों और नेताओं द्वारा दिए गए प्रत्युत्तर ने ऐसे अनेक प्रश्न उठाए हैं, जिनका उत्तर तलाशना ही होगा। संसद में हमने कभी भी इस तरह के नैरेटिव और परिदृश्य नहीं देखे। राहुल गांधी ने विपक्ष के नेता के रूप में जिस तरह का भाषण दिया वैसा पहले कभी सुना नहीं गया। हालांकि पिछले दो वर्षों की उनकी राजनीति पर गहराई से दृष्टि रखने वालों के लिए यह अपेक्षित है। 17वीं लोक सभा के बाद के काल के लोक सभा में और बाहर उनके भाषणों और वक्तव्यों में एक क्रमबद्धता है। वह भले विवेकशील लोगों को पसंद न आए या पुराने कांग्रेसियों को भी स्वीकार नहीं हो किंतु वह इसी तरह की भाषा बोलते रहे हैं। चूंकि विपक्ष के नेता के रूप में वह बजट पर चर्चा कर रहे थे इसलिए स्वाभाविक ही मुख्य फोकस इसी पर होना चाहिए था। इस समय उनके सलाहकारों, रणनीतिकारों, थिंक टैंक आदि की रणनीति यही है कि हर अवसर पर ऐसा भाषण या वक्तव्य देना है जिनसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा की छवि जनता में दागदार हो, ऐसे मुद्दे उठे जिनका सीधा-सीधा उत्तर देना कठिन हो और इसके लिए किसी सीमा को स्वीकार करने की जरूरत नहीं। सामान्य तथ्यगत विरोध आक्रामकता के साथ होना कतई चिंता का विषय नहीं होगा। स्थिति इससे बहुत आगे है। भारत और भारत से जुड़े वैश्विक नैरेटिव समूहों की स्थिति ऐसी है जिसमें हमें ज्यादातर एकपक्षीय स्वर इतने प्रभावी से सुनाई पड़ते हैं। कि उनमें आसानी से सच समझना कठिन हो जाता है। पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर का लोक सभा भाषण इस मामले में सबसे ज्यादा निशाने पर है। अखिलेश यादव ने उस पर आपत्ति उठाते हुए कहा कि आप किसी की जाति कैसे पूछ सकते हैं? राहुल गांधी ने कहा कि अनुराग ठाकुर ने उनको अपमानित किया है लेकिन मैं इन लोगों की तरह नहीं हूं इन्हें क्षमा मांगने के लिए नहीं करूंगा। ठाकुर भाजपा के वरिष्ठ नेता हैं, उनकी पार्टी सत्ता में है इसलिए कहा जा सकता है कि अति उत्तेजना और उकसावे के बीच भी उन्हें अंतिम सीमा तक संयम का परिचय देना चाहिए। दूसरे आप पर हमला करें और आप उसी भाषा में बोले तो फिर दोनों के बीच अंतर कठिन हो जाता है। किंतु नैरेटिव की दुनिया में वर्चस्व रखने वाले समूह ने एक पंक्ति नहीं कहा कि राहुल गांधी ने अपने भाषण में सत्तारूढ़ पार्टी को उकसाने, उत्तेजित करने या चिढ़ाने में कोई कसर नहीं खेड़ते हैं। यहां तक कि बार-बार वे लोक सभा अध्यक्ष को भी परोक्ष रूप में कठघरे में खड़ा करते रहे। अध्यक्ष ओम बिरला के टोकने या आपत्ति करने पर उनका उत्तर होता था कि सर, इसे कैसे बोलें या सॉरी सर सॉरी सर, लेकिन वह उसी बात को सॉरी कहते हुए दोहराते भी रहे। अध्यक्ष के लिए भी उनको संभालना या रोकना असंभव हो गया है। यह पहली बार होगा जब संसद के अंदर विपक्ष के नेता ने सरकार को घेरने के लिए ऐस उपमा दी, जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार तक घसीटे गए। चक्रव्यूह के बारे में राहुल गांधी को निश्चित रूप से कुछ गलत तथ्य दिए गए किंतु ऐसा हो जाता है। बावजूद उन्हें अपने पद के है। दायित्व का भान होना चाहिए था। सत्तापक्ष हो या विपक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा सर्वोपरि है। आपका सरकार से राजनीतिक वैचारिक मतभेद है और उसे प्रकट करने का अधिकार भी। वैसे उसमें भी सीमा है कि हम विरोध में कहां तक जाते हैं। कभी भी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार को इस तरह राजनीतिक दल के हमले के साथ जोड़ा नहीं गया। आप कल्पना करिए इसका संदेश देश के अंदर और बाहर क्या जाएगा।

निर्वाण महोत्सव पर किया निर्वाण लाडू समर्पित

भगवान के निर्वाण कल्याण पर हुआ महामस्तिकाभिषेक

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

जैन दर्शन के तैंतीसवें तीर्थंकर भगवान श्री पार्श्वनाथ स्वामी का 2801वा निर्वाण कल्याणक श्री दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी के तत्वावधान में श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिरट्रस्ट कमेटी के संयोजन में गत भक्ति भाव के साथ भगवान के महा मस्तिष्काभिषेक एवं जगत कल्याण की कामना के लिए महा शान्ति धारा के साथ मनाया गया इस दौरान रिद्धि सिद्धि दायक श्री भक्तांवर मंडल विधान अड़तालीस दीपों को शैलेन्द्र श्रागर के मंत्रोच्चार के साथ प्रज्जवलित किया गया। भगवान पार्श्वनाथ स्वामी का 2801वा निर्वाण कल्याणक मना रहे हैं। समारोह में जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि उपसर्ग और परिषह सहन करना प्रभु पार्श्वनाथ स्वामी से सीखें ऐसे प्रभु श्री पार्श्वनाथ स्वामी का 2801का वा निर्वाण कल्याणक महोत्सव भक्ति भाव से मना रहे हैं इस हेतु श्री दिगम्बर जैन युवा वर्ग ने भव्य तीर्थ राज सम्मेद शिखर जी रचना की है जहां स्वर्ण भद्रकुट पर निर्वाण लाडू समर्पित किया जायेगा जिसका सौभाग्य आप अपनी भावनाएं व्यक्त कर प्राप्त कर सकते हैं इसके बाद पात्रों का चयन किया गया इस दौरान शैलेन्द्र श्रागर ने कहा कि भगवान जिनेन्द्र देव के दरवार में शान्ति धारा और अभिषेक से ही रोग शोकं को त्याग कर भक्त आत्मसुख को प्राप्त करता है आइए ऐसे प्रभु की आराधना करने का हम सब मानस बनाये सभी का आभार जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल दारा व्यक्त किए।

जगत कल्याण की कामना से महा शान्ति धारा कर चढ़ाया लाडू: भगवान के प्रथम अभिषेक हेतु एक ओर से इन्द्र वनकर सौरव कुमार अतुल कुमार सिंघई वहीं दूसरी ओर से कैलाश चंद्र अशोक कुमार मनोज कुमार संजीव कुमार धुर्रा परिवार बही मुख्य कलशों को लेकर रतनलाल देवेन्द्र कुमार महावीर कुमार तरावली चतुर्थ कलश के साथ विनोद कुमार वैभव कुमार राजू मेडिकल परिवार को महा मस्तिष्काभिषेक का सौभाग्य प्राप्त हुआ। वहीं सम्मेद शिखर पर शान्ति धारा करने का सौभाग्य जयकुमार महाना सुनील कुमार जैन को मिला इनका सम्मान समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल समाज के संयोजक मनोज रन्नौद अंकित सन्तूरा संजीव कुमार रिक्कू ओडेर सहित अन्य प्रमुख जनो ने किया वहीं शान्ति धारा करने का सौभाग्य रामवीर धुर्रा सुनील कुमार जैन प्रमोद कुमार मंगलदीप राजेन्द्र कुमार अथाईखेडा राजू जी राजपुर रितेश जैन हिंमाशु जैन कस्तूरचन्द्र पंकज कुमार वी के जैन एस के जैन कलेक्टोरेट

सहित अन्य भक्तों को मिला इसके बाद भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की महा आराधना भक्ति भाव पूर्व करते हुए पार्श्वनाथ विधान, निर्वाणकांड पाठ के साथ मुख्य निर्वाण लाडू एवं 23 विशेष निर्वाण लाडू समर्पण अन्य भक्तों के साथ किया।

सम्मेद शिखर की रचना पर किया लाडू समर्पित

मन्दिर ट्रस्ट कमेटी द्वारा भगवान श्री पार्श्वनाथ स्वामी की निर्वाण स्थली तीर्थ राज सम्मेद शिखर भी की भव्य प्रतिकृति कलाकारों द्वारा पार्श्वनाथ मंदिर परिसर में की गई जहां तीर्थ राज को याद कर निर्वाण कल्याणक की संगीत के साथ पूजा करते हुए निर्वाण लाडू समर्पित किया गया इस दौरान जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल मंत्री विजय धुर्रा शैलेन्द्र श्रागर संजीव भारिल्ल उपाध्यक्ष अजित वरोदिया प्रदीप तारई कोषाध्यक्ष सुनील अखाई संयोजक मनोज रन्नौद अंकित सन्तूरा पूर्व संयोजक डॉ डी के जैन संजीव जैन रिक्कू संजीव महावीर टी नरेश जैन महावीर तरावली जैन मिलन अध्यक्ष नीलू मामा मनोज धुर्रा जैन युवा वर्ग अध्यक्ष सुलभ अखाई सचिन जैन विनोद भिरिल्य सहित अन्य भक्तों ने अर्घो का समर्पण किया

''स्वास्थ्य जागरूकता वार्ता का आयोजन''

उदयपुर. शाबाश इंडिया

संगिनी उदयपुर मैन ने अपनी संगिनी बहनों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रखने हेतु जीबीएच अमेरिकन हॉस्पिटल में ''स्वास्थ्य जागरूकता वार्ता का आयोजन'' किया। ग्रुप अध्यक्ष डॉ प्रमिला जैन ने बताया कि ग्रुप में लगभग सभी सिनीयर सिटीजन बहनें जुड़ी हुई है जिन्हे अपने व अपने परिवार के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना बहुत जरूरी है। कार्यक्रम का शुभारंभ नवकार मंत्र से किया गया। इस वार्ता में डॉ. सौम्या सोमानी व डॉ. मनन सरूपरिया ने गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की जांच और रोकथाम, इसके निदान और प्रबंधन के बारे में जानकारी दी वहीं डॉ. मानसी शाह ने स्तन कैंसर एवं डॉ. पवन सिंघल ने बुजुर्ग महिलाओं में मधुमेह और हृदय रोग के बारे में जानकारी प्रदान की व हमें हमारे स्वास्थ्य के बारे में जागरूक रहने हेतु हम क्या खाएं? क्या ना खाएं ? पर रोचक जानकारी दी। वार्ता के बाद सदस्यों ने प्रश्न पूछकर अपनी शंकाओं का समाधान किया । सभी सदस्यों की निःशुल्क बी. पी. व शुगर की जांच की गई। इस कार्यक्रम में संगिनी जोन कोर्डिनेटर रेखा जैन व मंजू गांग के साथ ही विभिन्न संगिनी ग्रुपों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। लगभग 60 संगिनी बहनों ने इस ज्ञानवर्धक वार्ता का लाभ लिया। हाई टी के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

G722 गोदिका परिवार का भव्य स्नेह मिलन समारोह आयोजित

चार पीढ़ियों के 200 लोगों ने एक साथ उपस्थित होकर लिया सावन में फुहारों का आनंद, हुए मनोरंजक गेम्स व हाऊजी

जयपुर. शाबाश इंडिया। जी722 गोदिका परिवार का भव्य स्नेह मिलन समारोह सावन के महीने में बरसात की फुहारों के बीच आयोजित किया गया । गोदिका परिवार के प्रथम पीढ़ी के बी. एल. गोदिका व राजेंद्र गोदिका ने बताया कि जयपुर के किशनपोल बाजार में 722 गोदीका भवन निवासी गोदिका परिवार के 4 पीढ़ी के 200 भाई-बन्धु, पुत्र -पुत्रवधु,पोते -पोतियां, बहन- बहनोई, दोहते - दोहतियां, बेटियां -बेटी जवाई ने रविवार 11 अगस्त को भगवान पार्श्वनाथ के मोक्ष कल्याणक के महापर्व पर सुबह 10 बजे से साजो से प्रसिद्ध गायक अशोक गंगवाल व श्रीमती समता गोदिका के सानिध्य में भव्य कल्याण मंदिर विधान पूजा चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर पारस विहार, मोहनपुरा, मुहाना मंडी में भक्ति भाव से की तथा निर्वाण लाडू समर्पण किया। परिवार की प्रथम पीढ़ी की सदस्य श्रीमती उषा गोदिका, श्रीमती सुमन गोदिका, श्रीमती निर्मला गोदिका ने सफल कार्यक्रम से उल्लासित होकर कहा कि हमारा यह कार्यक्रम इस भौतिक युग में यह एहसास कराता है कि गोदीका परिवार में इस पाश्चात्य संस्कृति के दोड़धूप भरे जीवन में भी हम सब में अपनेपन की भावना जीवंत है। परिवार के वरिष्ठ सदस्य वीरेंद्र गोदिका ने बताया दोपहर 2 बजे से देर रात्रि तक बडे.हर्षोल्लास से गोदिका परिवार के सभी सदस्यों ने डांस म्यूजिक, हाऊजी तथा मनोरंजक गेम्स का आनंद लिया। समन्वयक पवन गोदिका व दिलीप गोदिका ने बताया कि समारोह में सुदेश गोदिका ने मनोरंजक गेम्स खिलाए तथा समता गोदिका, शिप्रा गोदिका, राकेश गोदिका ने हाऊजी खिलाई । हाऊजी के मध्य में सदस्यो द्वारा अपना परिचय भी दिया। सुभाष गोदिका व दिनेश गोदिका ने बताया कि समारोह में शामिल होने के लिए दिल्ली, अजमेर, मुंबई से भी परिवार के सदस्यो ने आकर चार चांद लगा दिए। अंत में फिर मिलने के वायदे के साथ महाआरती के साथ समारोह का समापन हुआ। **@ पेज 7 पर**

जी 722 गोदिका परिवार का भव्य स्नेह मिलन समारोह

आजादी के मायने हमारी जिम्मेदारी भी

पदमचंद गांधी @ 9414967294

स्वतंत्रता पाकर भी प्रश्न खड़ा है ! क्या मैं सच में स्वतंत्र हूं ? उत्तर नहीं मे आता है ' सच्चाई यह है कि कदम कदम पर हम बंधन की जंजीरों में बंधे हुए हैं ' यह बंधन हमारी दायित्व के हैं ,हमारी मयार्दाओं के हैं , हमारी कर्तव्यों के हैं और यह बंधन आचार संहिता एवं नैतिक आचरण के हैं , जिन्हें हम भूलते जा रहे हैं ' राजनीति शास्त्र के विद्वान रूसो ने कहा ''मनुष्य स्वतंत्र रूप से पैदा होता है परंतु प्रत्येक स्थान पर वह बंधनों में बंधा हुआ है ' यह बंधन व्यक्ति की मर्यादाएं हैं , नियम है , जिसमें वह अपना विकास करता है। आजादी की परिभाषा करना कठिन है ' हर इंसान अपनी बुद्धि का सही उपयोग करते हुए आजादी की सीमा निश्चित करता है ' यह सत्य है, नियमों में रहकर, अनुशासित होकर, दूसरों के अधिकारों का हनन न करते हुए हम आजाद रह सकते हैं ' अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए दूसरों के अधिकारों की रक्षा करना ही सच्ची आजादी है अर्थात मयार्दा में रहना ही स्वतंत्रता है ' स्वतंत्रता की सकारात्मक अवधारणा में प्रभु महावीर ने जियो और जीने दो का सिद्धांत दिया , जिसमें सम्यक जीवन शैली से स्वयं भी सुखी रहे तथा किसी और को भी कष्ट नहीं हो ' इसी अवधारणा के अनुसार स्वतंत्रता का मूल तत्व आंतरिक व बाहरी बंधन का अभाव नहीं बल्कि इससे एक अच्छे उद्देश्य को प्राप्त करने की इच्छा छुपी हुई है ' इसके लिए विकसित व्यक्तित्व का होना जरूरी है। स्वतंत्रता मनुष्य को मानवता के उच्च शिखर पर पहुंच जाती है और परिपक्वता का निर्माण करती है। स्वतंत्रता अपने साथ आत्मनिर्भरता का अवसर लेकर चलती है जो किसी भी प्रकार के दबाव एवं भय से मुक्त होकर मनुष्यता के नाम पर उच्च शिखर की ओर बढ़ने का अवसर उपलब्ध कराती है। मेकफर्सन ने तो यहां तक कहा है कि ''मानव पूर्ण रूप से अपनी क्षमता का उपयोग करते हुए जो कार्य स्वतंत्र रूप से करता है वही उसकी शक्ति है'' यहां क्षमता से तात्पर्य उसकी तर्कसंगत ज्ञान की क्षमता , नैतिक निर्णय, कार्यवाही की क्षमता , कलात्मक सृजन, चिंतन की क्षमता , मैत्री और भावनात्मक गतिविधि आदि के उपयोग से है। अमर्त्य सेन ने अपनी पुस्तक 'डेवलपमेंट एज फ्रीडम' में स्वतंत्रता की व्याख्या परीवृद्धि एवं विकास के रूप में की है ' उनका मानना है कि विकास की अभिवृद्धि सुलभ आजादी से ही संभव है जो स्वतंत्रता में बाधा उत्पन्न करते हैं वे घटक है बेरोजगारी दमनकारी नीति, आर्थिक अवसरों की अनउपलब्धता , गरीबी , सार्वजनिक सुविधाओं की अनदेखी इत्यादि ' इन सभी समस्याओं से मुक्त होना और आगे बढ़ना ही विकास की आजादी है। आज हर व्यक्ति को आजादी चाहिए। वह उन्मुक्त वातावरण में अपनी मर्जी से चलना चाहता है, रहना चाहता है ,जीना चाहता है , भले ही इस तरह की सोच से दूसरों को परेशानी क्यों न आए, उससे उसका कोई सरोकार नहीं ' सबके हित में अपना हित साधन ही स्वतंत्रता का सही अर्थ है ' आज भारत के लोग भारत में ही आजादी की मांग कर रहे हैं ' उनके लिए आंदोलन कर रहे हैं ' क्योंकि चारों ओर, भुखमरी, लूट, कपट, भ्रष्टाचार, कालाधन, बेईमानी दुष्कर्म, छेड़छाड़, व्यभिचार , माफिया राज इसे व्यक्ति जूझ रहे हैं , इनमें इसे स्वतंत्र होना चाहते हैं , भयमुक्त होना चाहते हैं ' कहीं पर जातिवाद ,तो कहीं पर आरक्षण , कहीं पर धार्मिक कट्टरता , किसान आंदोलन, पानी का बंटवारा अभिव्यक्ति की लड़ाई इसे आजाद होना चाहते हैं ' लेकिन इन समस्याओं से का निराकरण करने के बजाय हम कानून व्यवस्था को हाथ में लेकर नियमों को तोड़कर यदि आगे बढ़ते हैं तो यह ही हमारे लिए समस्याएं बन जाती है। नियमों की अवेलना करना आजादी नहीं है ' देखने में आता है समय पर कार्यालय नहीं पहुंचाना , पहुंचकर ईमानदारी से निर्धारित मापदंड के अनुसार काम नहीं करना, भय का वातावरण बनाना ,अपनी क्षमता का पूर्ण उपयोग नहीं करना,रिश्वत के नाम पर सुविधा शुल्क वसूल करना , नियम विरुद्ध कार्य करना ,ऐसी भावनाओं से आज हम ग्रसित हैं ' अतः हमें सोचना है और समझना है कि क्या हम अपने अधिकारों के साथ कर्तव्य और जिम्मेदारियां का दायित्व निर्वाह कर रहे हैं? अगर हम ऐसा करते हैं तो ही सच्चे अर्थों में आजादी को साकार कर रहे हैं। आज देखने में आता है कि ट्रैफिक नियम तोड़ना, हेलमेट नहीं लगाना, ट्रैफिक नियमों की पालन नहीं करना, यह आजादी नहीं है, वरन हमारे जीवन के साथ खिलवाड़ करना है ' हमें इनकी जिम्मेदारी स्वयं के जीवन रक्षा के लिए तथा औरों की सुरक्षा के लिए पालन करना जरूरी है ' जीवन अनमोल है ' सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करना हमारा परमदायित्व एवं कर्तव्य है। आजादी का अर्थ यह नहीं है कि कहीं पर भी गंदगी फैला दें, कचरा डाल दे' उसके लिए निर्धारित स्थान बना रखे हैं ' उसके लिए दंड का प्रावधान भी बना रखा है फिर भी हम मौका देखकर सार्वजनिक स्थलों को गंदा कर देते हैं ' स्वच्छ भारत की कल्पना को साकार करना हमारा परमदायित्व इसमें सहयोग देना हमारी नैतिक जिम्मेदारी भी है ' सार्वजनिक स्थानों पर , सड़क चौराहे पर विरोध प्रदर्शन , धरना प्रदर्शन कार्यक्रम करते हैं जिससे आम जनता प्रभावित होती है , बाधित होती है उनसे कई तरह की परेशानियां उत्पन्न हो जाती है ' ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन निर्धारित स्थान पर किए जाएं बिना अनुमति के ऐसे कार्यक्रम नियम विरुद्ध है जो आजादी का पर्याय नहीं है ' जब चाहे दंगा फसाद कर देना कानून व्यवस्था को अपने हाथ में ले लेना शहर में बंद का ऐलान कर देना यह अभिव्यक्ति का तरीका नहीं है ' अपनी मांगे मनवाने के लिए जनधन की हानि , सरकारी प्रॉपर्टी का नुकसान आजादी का प्रतीक नहीं होकर दंडनीय अपराध है ' अतः अपनी जिम्मेदारी को समझ कर कदम उठाने चाहिएं। आज हम आजाद देश में रहते हैं , बड़ी मुश्किल से बड़े पद, प्रतिष्ठा एवं पावर मिलती है जिनका सदुपयोग करना हमारा परम कर्तव्य है ' यदि हम अपने अधिकारों का गलत रूप से इस्तेमाल करें वह चाहे अपने स्वार्थ के लिए हो, व्यक्ति विशेष के लाभ के लिए हो, या किसी अन्य को लाभ पहुंचाने के लिए ' इनका गलत उपयोग करना हमारी आजादी का प्रतीक नहीं है ' हमें अपने कर्तव्यों को ध्यान में रखकर, अपनी जिम्मेदारी का एहसास करते हुए कार्य करने चाहिए। बाल श्रम एवं कमजोर वर्ग का शोषण करना हमारी आजादी नहीं है' संविधान के अनुच्छेद 22 एवं 23 के तहत हमें शोषण के विरुद्ध स्वतंत्रता का अधिकार प्राप्त है लेकिन आज वास्तव में न्यूनतम मजदूरी कमजोर वर्ग को नहीं मिलती ' आज भी कई जगह बंधुआ मजदूर के उदाहरण मिल जाते हैं ' घरेलू काम के लिए 14 वर्ष की उम्र के बच्चे काम करते हैं जो उनकी स्वतंत्रता के विरुद्ध है ,ऐसा करना उनका शोषण का प्रतीक है और उनके जीवन के विकास में बाधक भी। देखने में आता है कि आज माता-पिता की संपत्ति में अधिकार तो सब मांगते हैं , लेकिन उनके देखभाल की उनकी सुख सुविधाओं की उनकी सेवा करने की जिम्मेदारी से उन्हीं के बच्चे डरते हैं, उन्हें अलग रखते हैं वृद्ध आश्रम भेज देते हैं और अपनी जिम्मेदारी वहन नहीं करते ' यह कर्तव्य विमुखता है। ऐसी अनगिनत कितनी ही समस्याएं हैं जिनकी जिम्मेदारियां का हम वहन करें तो उन समस्याओं का समाधान तो होगा ही साथ में सच्चे मायने में आजादी का फर्ज भी अदा कर पाएंगे। अतः जिम्मेदारी को पूर्ण रूप से निभाना ही हमारी स्वतंत्रता से कम नहीं है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

जैन सोशल ग्रुप ग्लोरी द्वारा एक पेड़ जेएसजी के नाम और आहार फूड डिस्ट्रीब्यूशन का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप ग्लोरी द्वारा विगत दो दिनों 10 तथा11अगस्त को फूड डिसटीब्यूशन तथा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन आदर्श विद्या मंदिर स्कूल रामगंज बाजार में किया गया। आदि काल से ही वृक्षारोपण भारतीय संस्कृति का हिस्सा रहा है। हमारे पूर्वजों ने प्राकृतिक रूप से कई लाभकारी वृक्षों को पूजनीय बनाया। तुलसी, पीपल, शमी, नीम, और बरगद जैसे पेड़ तो ईश्वर के रूप माने गए। ऐसे में आप समझ सकते हैं की वृक्षारोपण करने वाले कितना प्रशंसनीय कार्य करते हैं। वैसे भी हमारे समाज में पुराने वृक्षों को पूर्वज तथा नए वृक्षों को पुत्र के समान स्नेह देने वालों की कमी नहीं है । वृक्षारोपण के इस पुनीत कार्यक्रम ग्रुप अध्यक्ष पीयूष मोनाली सोनी अजय ललिता तोड़िया नयन जैन रमेश पाटोदी शिखा बाकलीवाल सौरभ जैन तथा कार्यक्रम के अथिति धीरेंद्र गोधा समाचार जगत तथा आदर्श विद्या मंदिर तथा रामदेव छात्रावास के सभी सम्मानित अध्यापक तथा छोटे छोटे बच्चे उपस्थित थे। इस अवसर बच्चों को वृक्षों का महत्व भी बताया गया। जब तक ये छात्र विद्यालय मैं शिक्षा प्राप्त कर रहे है तब तक यह छात्र ही इन वृक्षों और पौधों को संभलने का पुनीत कार्य करेगे। विदित हो कि यह दोनों कार्यक्रम जेएसजीआईफ के सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित करे जा रहे है। इस अवसर पर ग्लोरी ग्रुप द्वारा 101से पौधों का रोपण विद्यालय के प्रांगण तथा छात्रावास में किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के द्वारा 3000 से अधिक वृक्ष जयपुर के अलग अलग स्थानों पर रोपित करने का प्रण भी लिया गया। इसी कड़ी मैं अगले दिन ग्रुप द्वारा रामगंज बाजार स्थित आदर्श विद्या मंदिर स्कूल के स्वामी रामदेव छात्रावास मैं फूड डिसटीब्यूशन का आयोजन किया गया।वहां पर ग्रुप द्वारा सभी बच्चों के लिए साउथ इंडियन फूड का भोजन उपलब्ध कराया गया।इस अवसर पर बच्चों का उत्साह देखते ही बनता था। यह अपने ग्रुप द्वारा बहुत ही सार्थक पहल की गई थी।इस अवसर पर ग्रुप अध्यक्ष पीयूष मोनाली सोनी, सचिव हेमंत स्वेता बड़जात्या, ग्रुप एडवाइजर अजय ललिता तोड़िया ग्रुप संयुक्त सचिव प्रकाश अंजु जैन ग्रुप कार्यकारिणी सदस्य रमेश दीपाली पाटोदी सुनील शिखा बाकलीवाल आशीष सुचिता जैन सौरभ रूबी जैन उपस्थित थे। ग्लोरी ग्रुप के अध्यक्ष पीयूष सोनी

तथा सचिव हेमंत बड़जात्या ने बताया कि ग्रुप की भावना है कि हम वही फूड डिसटीब्यूशन करेगे जो हम खुद खा सकते हैं।और इसको परिलक्षित भी किया गया जब वहां उपिस्थ सभी ग्लोरी ग्रुप सदस्यों ने बच्चों के साथ खाना खाया। इस अवसर पर स्वामी रामदेव छात्रावास समिति द्वारा सभी ग्लोरी सदस्यों का सम्मान किया गया। तथा ग्रुप द्वारा इस अवसर पर पूरे वर्ष के लिए छात्रावास में रह रहे घुमंतू जाति के छात्रों के लिए ग्रुप के सदस्यो के जन्मदिन वही बनाने की घोषणा की गई। यहां यह उल्लेखनीय है कि ग्रुप के एडवाइजर अजय तोड़िया शांत भाव से चुपचाप पिछले कई वर्षों से घुमंतू जातियों के बच्चों को समाज की मुख्य धारा मैं जोड़ने के लिए कार्य कर रहे हैं। इसी कड़ी मैं जैन social ग्रुप ग्लोरी 17और 18अगस्त को भी दो और सामाजिक सेवा के कार्यक्रम सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत करने जा रहा है।

लुटती जाए द्रौपदी

(कोलकाता कांड विशेष)

चीरहरण को देखकर, दरबारी सब मौन।
प्रश्न करे अँधराज पर, विदुर बने वो कौन।।

राम राज के नाम पर, कैसे हुए सुधार।
घर-घर दुःशासन खड़े, रावण है हर द्वार।।

कदम-कदम पर हैं खड़े, लपलप करे सियार।
जाये तो जाये कहाँ, हर बेटी लाचार।।

बची कहाँ है आजकल, लाज-धर्म की डोर।
पल-पल लुटती बेटियां, कैसा कलयुग घोर।।

वक्त बदलता दे रहा, कैसे- कैसे घाव।
माली बाग उजाड़ते, मांझी खोये नाव।।

घर-घर में रावण हुए, चौराहे पर कंस।
बहू-बेटियां झेलती, नित शैतानी दंश।।

वही खड़ी है द्रौपदी, और बढ़ी है पीर।
दरबारी सब मूक है, कौन बचाये चीर।।

लुटती जाए द्रौपदी,जगह-जगह पर आज।
दुश्शासन नित बढ़ रहे, दिखे नहीं ब्रजराज।।

छुपकर बैठे भेड़िये, लगा रहे हैं दाँव।
बच पाए कैसे सखी, अब भेड़ों का गाँव।।

नहीं सुरक्षित बेटियां, होती रोज शिकार।
घर-गलियां बाजार हो, या संसद का द्वार।।

सजा कड़ी यूं दीजिये, काँप उठे शैतान।
न्याय पीड़िता को मिले, ऐसे रचो विधान।।

लुटती जाए द्रौपदी, बैठे हैं सब मौन।
चीर बचाने चक्रधर, बन आए कौन।।

-डॉ. सत्यवान सौरभ

रोटरी क्लब नार्थ, जयपुर का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न!

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब नार्थ, जयपुर का शपथ ग्रहण कार्यक्रम अनंता रिसोर्टस एंड स्पा, दिल्ली रोड पर सम्पन किया गया। शपथ ग्रहण समारोह मेंटर अर्चना शर्मा के सानिध्य मे सम्पन हुआ। गवर्नर और रोटेरियन अर्चना शर्मा ने रोटरी क्लब नार्थ, जयपुर के बारे मे विस्तार से जानकारी दी। और बताया की रोटरी अंतष्ट्रीय संस्था है जिसमे समाज सेवा, मानव सेवा के कार्यक्रम, मनोरंजन सभी प्रकार के कार्यक्रम किये जाते है। अध्यक्ष पद पर रोटेरियन अनिल जैन, सचिव पद पर डॉ अमित शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर रोटेरियन गजेंद्र सिंह राठौड़ और महेश मंगल, उपाध्यक्ष पद पर रोटेरियन विनायक शर्मा, और अनिल मंडोत, सह सचिव पद पर रोटेरियन तरुण जैन और हार्दिक जैन ,कोषाध्यक्ष पद पर रोटेरियन मनोज कुमावत, पीआरओ पद पर श्रीमती सुनीता जैन, बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स पदों पर रोटेरियन धन कुमार जैन, प्रमोद जैन, अंकित खंडेलवाल, दीपशिखा जैन, मनीष गुप्ता, राजेंद्र गुप्ता, ऋषि जैन, तपन शर्मा, अनीता जैन, तनुज जैन, जेके जैन, पियूष जैन, प्रगीत सोगानी, राहुल जैन प्रतीक जैन मनोनीत हुए। सह सचिव रोटेरियन तरुण जैन ने बताया की कार्यक्रम मे पधारे हुए सभी रोटेरियनस का तिलक लगाकर स्वागत किया गया और सभी का रजिस्ट्रेशन कर किट और टीशर्ट दी गयी। तत्पश्चास्त रोटरी के उदेश्य को 7सार्थक करते हुए वृक्षारोपण के साथ कार्यक्रम का प्रारम्भ किया गया! वृक्षारोपण आचार्य श्री सोमेन्द्र जी महाराज और मेंटर अर्चना शर्मा जी और रोटरी के सभी पदाधिकारी और बोर्ड मेंबर्स ने किया! तत्पश्चात सभी रोटेरियस ने गरमागरम नास्ते का लुत्फ उठाया! फिर प्रारम्भ हुआ तिरंगे की शान मे जस्ने आजादी - एक देश भक्ति कार्यक्रम जिसमे सभी लोगो ने देश के तिरंगे को सलामी दी! और अब समय वो आ गया था जिसका सभी रोटेरियस को इंतजार था शपथ ग्रहण समारोह, सभी पदाधिकारीयों और बोर्ड मेंबर्स को ढ़ोल नगाड़ो के साथ स्टेज तक पहुंचाया गया और उन सभी को शपथ दिलवाई गयी! शपथ अध्यक्ष रोटेरियन अनिल जैन और सचिव अमित शर्मा को रोटेरियन बलवंत सिंह चिराना, पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ने दिलवाई! अन्य पदाधिकारीयों, बोर्ड मेंबर्स और मेंबर्स को शपथ रोटेरियन श्री नीरज अग्रवाल,और एजी दिलीप टंडन पास्ट डिस्ट्रिक्ट जनरल सचिव ने दिलवाई। कार्यक्रम मे रोटेरियन नीरज अग्रवाल पास्ट डिस्ट्रिक्ट जनरल सेक्रेटरी भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम मे आये हुए सभी मेहमानों का स्वागत माला, दुपट्टा और साफा पहना कर किया गया और उन सभी को मोमेंटो भी दिया गया। पी आर ओ रोटीरियन्न श्रीमती सुनीता जैन ने बताया की तत्पश्चात प्रारम्भ हुई सभी रोटेरियस के लिए म्यूजिकल गाला नाईट जिसमे सभी सदस्यों ने जमकर डांस किया और जायकेदार भोजन का लुत्फ उठाया। कार्यक्रम को एकसूत्र मे पिरो कर रखा रोटेरियन एंकर अंकित खंडेलवाल और रोटेरियन आर जे रोहित ने जिन्होंने सभी का भरपूर मनोरंजन किया। कार्यक्रम मे मुख्य स्पांसर के रूप मे नवकार किचन एंड हार्डवेयर, दी विंडो मार्ट, आदिनाथ इंटरप्राइजेज, सिद्धम इन्टी हॉस्पिटल, जे ऐस प्लाई, ऐंडोमेडा सेल्स एंड डिस्ट्रीब्यूशन प्राइवेट लिमिटेड का विशेष योगदान रहा। अंत मे सचिव रोटेरियन डॉ अमित शर्मा ने पधारे हुए सभी अतिथियों और सभी रोटेरियन का धन्यवाद ज्ञापित किया।

अतिशय क्षेत्र कैथुली में भव्यता की साथ मनाया गया पार्श्वनाथ मोक्ष कल्याणक महामहोत्सव

रामगंजमंडी. शाबाश इंडिया

तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव रविवार की बेला में नगर से 16 किलोमीटर दूर स्थित आतिशय क्षेत्र कैथुली में मुकुट सप्तमी के रूप में मनाया गया। अपार संख्या में भक्तों का सेलाब देखने को मिला एवं युवा वर्ग में मूलनायक भगवान के अभिषेक को लेकर होड़ सी लग गई। महोत्सव की क्रम में सर्वप्रथम ध्वजारोहण किया गया जो ठग परिवार बोराव द्वारा किया गया इसी क्रम में प्रथम अभिषेक एवं प्रथम दर्शन कराने का सौभाग्य कैलाश संजय अजय जैन परिवार कोटा को मिला । प्रथम शांतिधारा का पुण्यलाभ पदम अनिल अक्षत साकुण्या परिवार सिंगोली वालो को मिला तो दूसरी ओर से शांतिधारा का सौभाग्य विजय, प्रशांत, प्रभव कमलध्वज परिवार भवानीमंडी वालो को प्राप्त हुआ । अभिषेक शांतिधारा उपरांत मुख्य पंडाल का लोकार्पण किया गया मुख्य पंडाल का लोकार्पण फूलचंद विनोद कुमार सिंघल रामगजमंडी द्वारा किया गया। साथ ही मुख्य पंडाल में श्रीजी को विराजमान किया गया एवं अभिषेक किया गया है अभिषेक उपरांत आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के चित्र का अनावरण एवं चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन किया गया चित्र अनावरण सुमनबाई जंबू रीना जैन सेठिया रावतभाटा के द्वारा हुआ एवम दीप प्रज्वलन चांदमल पुष्पेंद्र बगड़ा सिंगोली द्वारा किया गया इस मंगल बेला में पार्श्वनाथ मंडल विधान किया गया जिसका पुण्य लाभ विजय प्रशांत प्रभव कमलध्वज परिवार भवानीमंडी को प्राप्त हुआ साथ पधारे हुए सभी भक्तों के स्नेह भोज का सोभाग्य भी इन्ही के परिवार को मिला। वही भक्तों की भक्ति देखते हुए बनती थी हर कोई भक्ति में मगन दिखाई दे रहा था श्रद्धा आस्था का सैलाब देखते बन रहा था । बीच बीच में आती बारिश के बीच भी भक्तो की भक्ति में कोई कमी नही थी । विधान उपरांत निर्वाण लाडू चढ़ाया गया । पांडाल में विधान पुण्यार्जक कमलध्वज परिवार द्वारा निर्वाण लाडू चढ़ाया गया वहीं मूलनायक पार्श्वनाथ भगवान की मूल वेदी पर निर्वाण लाडू चढ़ाने का स्वर्ण सौभाग्य गुलाबचंद , संजय, अर्पिता, निशी जैन हरसौरा रामगंजमंडी वालो को प्राप्त हुआ वहीं चार अन्य लाडू चढ़ाने का लाभ सूरजमल मनीष हरसोला भानपुरा, कैलाश संजय अजय परिवार कोटा, विनोद सुनील सुरलाया सारोला वाले परिवार एवं शरद शशिकांत दौराया परिवार लोटखेड़ी को प्राप्त हुआ ।इस अवसर पर रामगंजमंडी, सिंगोली, बोराव, रावतभाटा, सुसनेर, भवानीमंडी, भानपुरा, पिड़ावा, लोटखेड़ी, मिश्रोली आदि स्थानों से सैकड़ों भक्त पधारे और महामहोत्सव में भागीदारी निभाई । पूर्व क्षेत्रीय विधायक देवीलाल जी धाकड़ ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई इस अवसर क्षेत्र कमेटी द्वारा उनका अभिनंदन किया गया। इस आयोजन की महती प्रभावना में सहयोग कैलाश संजय अजय जी जैन कोटा का रहा साथ ही पधारे हुए समस्त अतिथियों का सम्मान राजेंद्र हुकुम काका कोटा द्वारा किया गया इन मांगलिक पलों में समस्त धार्मिक क्रियाओं को विधि विधान के साथ प्रशांत जैन आचार्य आकाश जैन आचार्य ने संपन्न करवाया। **अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी की रिपोर्ट**

भक्तामर प्रशिक्षण शिविर का हुआ शुभारंभ, जो सत्य का शंखनाद करते हैं वे होते हैं महान साधु : गणिनी आर्यिका विज्ञमति माताजी

एटा. शाबाश इंडिया

पुरानी बस्ती स्थित श्री दिगंबर जैन बड़े मंदिर में परम पूज्य भारत गौरव सम्यक शिरोमणि गणिनी आर्यिका105 श्री विशुद्धमति माताजी के मंगल सानिध्य एवं आशीर्वाद से भक्तामर प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ प्रज्ञा पद्मिनी पट्ट गणिनी आर्यिका105 श्री विज्ञमति माताजी के संयोजन में प्रातःबेला में हुआ। इस बेला में पट्ट गणिनी आर्यिका 105 विज्ञमति माताजी ने भक्तामर स्तोत्र की महिमा को बताते हुए कहा कि भक्तामर महास्तोत्र जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर श्री आदिनाथ भगवान की आचार्य श्री मानतुंग स्वामी द्वारा सच्ची भक्ति पूर्वक स्तुति से ताले टूट गये और वह सकुशल कारागार से बाहर आ गए थे,यह जैन धर्म की प्रचलित पौराणिक कथाओं में एक है !उज्जैन के राजा भोज ने अहंकारी कवि कालिदास के कहने से कवि धनंजय से पराजित होते जानकर राजा से धनंजय के गुरु जैनाचार्य को राजदरबार में शास्त्रार्थ हेतु बुलाने को कहा, आचार्यश्री ने कहा दिगंबर साधु का भला राज दरबार में क्या काम ?वो तो सर्वस्व त्यागी होते हैं दिगंबर साधु किसी राजाज्ञा को नहीं मानते हैं,वह भगवान महावीर के शासनाधिकारी हैं

वन में रहकर तपश्चरण करते हैं ! राजा भोज ने आज्ञा न मानने पर मानतुंग आचार्य को हाथ पैरों में बेड़ियाँ डालकर 48 ताले लगाकर काराग्रह में डाल दिया था ।आचार्य श्री आदिनाथ प्रभु की भक्ति में तल्लीन हो गए और एक-एक काव्य की रचना करते एक-एक ताले को भक्ति की चाबी से खोलते गए और काराग्रह से बाहर आ गए ! राजा ने नतमस्तक होकर क्षमा मांगी यह है ''भक्तामर स्त्रोत'' महाकाव्य की भक्तिः पट्ट गणिनी आर्यिका विज्ञमती माताजी ने बताया विपरीत स्थितयों में उपसर्ग समझकर आचार्य श्री ने मौन धारण कर लिया चुप रहना किसी की कमजोरी नहीं जो सत्य का शंखनाद करते हैं वे महान साधु होते हैं । भक्तामर शिविर संयोजिका पट्ट गणिनी आर्यिका 105 विज्ञमति माताजी ने बताया की हमारे आचार्य गुरुओं ने पद नहीं पथ स्वीकार किया, जो पद पर रहता है वह भूत बनता है जो ज्ञानी आत्मा है वह अपने स्वभाव को पहचानता है। आचार्य श्री तो मोक्ष मार्गी थे उनकी भक्ति की शक्ति से एक-एक ताला टूटता गया और वह भक्ति में डूबते चले गए ।अहंकारी व्यक्ति की विशेषता होती है वह दूसरों की यशवृद्धि सहन नहीं कर पाता जिसको घाव देता है उसको याद नहीं रखता जो घाव उसे दूसरे से मिलते हैं उसे याद रखता है ,श्रद्धा जितनी गहरी होती है भक्ति उतनी सम्यक होती है ! सायंकाल 48 दीपकों से भक्तामर दीप आराधना , गुरु भक्ति का भी कार्यक्रम हुआ ! इस अवसर पर श्रीमान कुलदीप जैन, प्रदीप जैन, विनय जैन नितिन जैन निर्मल जैन राजीव जैन अशोक जैन शैलेंद्रजैन, श्रीमती कुमकुम जैन राजमती जैन शशि जैन बिंदु जैन उषा जैन पूनम जैन मंजू जैन प्रतिभा जैन सुनीता जैन रजनी जैन,सुव्रता जैन, समता जैन ,दिशा जैन सोनाली जैन प्रिया जैन आदि श्रावक मंदिर जी में उपस्थित थे। **बबिता जैन एटा प्राप्त जानकारी के साथ अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी की रिपोर्ट**

आत्मा का कल्याण चाहते हो तो कषायों में मन लगाना छोड़ दो : आचार्य सुंदरसागर महाराज

संसार जब पूजेगा तो मान बढ़ेगा ओर आत्मा को पूजेंगे तो कषाय समाप्त होंगे

शास्त्रीनगर हाउसिंग बोर्ड स्थित सुपार्श्वनाथ पार्क में वर्षायोग प्रवचन

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

जिसका मन विषय कषाय में रमना है वह आत्मा में नहीं रमेगा। मन जब तक आत्मा में नहीं रमेगा हमारा गुणस्थान उच्च नहीं होगा ओर मुक्ति की राह नहीं खुल पाएगी। आत्मा को दिल से चाहते है तो कषायों को छोड़ना पड़ेगा। संसार जब पूजेगा तो मान बढ़ेगा ओर आत्मा को पूजेंगे तो कषाय समाप्त होंगे। कषायों के आवेश में ही भरत ने बाहुबली पर चक्र चलाया ओर जब दोनों भाईयों ने कषाय छोड़े तो केवल ज्ञान की प्राप्ति हो गई। ये विचार शहर के शास्त्रीनगर हाउसिंग बोर्ड स्थित सुपार्श्वनाथ पार्क में श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के तत्वावधान में चातुर्मासिक (वर्षायोग) प्रवचन के तहत मंगलवार को राष्ट्रीय संत दिगम्बर जैन आचार्य पूज्य सुंदरसागर महाराज ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि हमारा जीवन तभी सार्थक है जब मुनियों को सामने देखने पर मुंह मोड़ने की बजाय संयम के भाव उत्पन्न हो। अगर त्यागीवृति कोई हमे अपने पास बिठा रहा है तो समझ लेना हमारा नाम सिद्धों की सूची में आ गया है। मुनिराज को आत्मीय आनंद की अनुभूति होती है। मुनि बनने पर ही मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है। जो घर का त्याग करते है वह महाव्रति होते है। देव आयु का बंध करने वाला ही महाव्रति बन सकता है। आचार्यश्री ने कहा कि कषायों पर विजय प्राप्त करके ही भगवान महावीर विश्व वंदनीय बन गए। आयु गल जाती है लेकिन हमारा मन नहीं गलता। इसी तरह तन गल जाता है लेकिन आशा नहीं गलती है। जो सबको संभाल ले उसे ही स्यादवाद कहते है। ऐसे व्यक्ति ना किसी को कहते नहीं ओर हां कहने से पहले दस बार सोचते है। महापुरूषों का मन ओर तन दोनों सुंदर होते है। सुंदर तन से ही काम नहीं होगा मन भी सुंदर होना चाहिए तभी जीवन सार्थक बनेगा। इससे पूर्व प्रवचन में आर्यिका सुपथ्यमति माताजी ने कहा कि मोह कर्म के उदय से मनुष्य संसार में भ्रमण कर रहा ओर हमारी जिंदगी अपनी आत्मा के कल्याण पर ध्यान देने की बजाय दूसरों को खुश करने में बीत रही है। अपना हित सोच समझ नहीं पाने से हम भोग मुक्त भी नहीं हो पा रहे है। कर्ता भाव छोड़ मुनि बन आत्माकल्याण की साधना करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सांसारिक रिश्तों में फंसे रहे तो हमेशा फंसे ही रहेंगे। सांसारिक जीवन में जर,जोरू व जमीन हमेशा विवाद का कारण है। जमीन की लड़ाई से ही भरत ओर बाहुबली में वैराग्य हो गया। राग,द्वेष छोड़ने पर ही हमारा कल्याण हो पाएगा। श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के अध्यक्ष राकेश पाटनी ने बताया कि सभा के शुरू में श्रावकों द्वारा मंगलाचरण,दीप प्रज्वलन,पूज्य आचार्य गुरूवर का पाद प्रक्षालन कर उन्हें शास्त्र भेंट व अर्ध समपर्ण किया गया। संचालन पदमचंद काला ने किया। महावीर सेवा समिति द्वारा बाहर से पधारे अतिथियों का स्वागत किया गया। मीडिया प्रभारी भागचंद पाटनी ने बताया वर्षायोग के नियमित कार्यक्रम श्रृंखला के तहत प्रतिदिन सुबह 6.30 बजे भगवान का अभिषेक शांतिधारा, सुबह 8.15 बजे दैनिक प्रवचन, सुबह 10 बजे आहार चर्या, दोपहर 3 बजे शास्त्र स्वाध्याय चर्चा, शाम 6.30 बजे शंका समाधान सत्र के बाद गुरू भक्ति एवं आरती का आयोजन हो रहा है।

इंद्रियों पर विजय पा लेने वाला व्यक्ति संसार को जीत सकता है: साध्वी प्रितीसुधा

चैन्नेई. शाबाश इंडिया। इंद्रियों पर विजय पा लेने वाला व्यक्ति संसार को जीत सकता है। मंगलवार मुखर्जी चौक पंचायती नोहरा जैन स्थानक मे चातुर्मास विराजित साध्वी प्रितीसुधा ने प्रवचन धर्मसभा मे श्रध्दालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि इंद्रियों पर विजय पाना, आत्मा की विजय है, और यही सच्ची विजय है, जो व्यक्ति को संसार के बंधनों से मुक्त करती। जो इंसान इंद्रियों का दास बन जाता है वो जीवन मे दुःख प्राप्त करता है और इंद्रियोंपर पूर्ण नियंत्रण प्राप्त कर लेता है, तो वह बाहरी दुनिया के भौतिक और मानसिक प्रलोभनों से ऊपर उठ कर मानव भव सार्थक बना सकता हैं। तप रत्नेश्वरी साध्वी सयंम सुधा ने कहा कि इन्द्रिया आत्मा का उध्दार भी करवा सकती है और मनुष्य के जीवन का पतन करवा सकती है। इसदौरान धर्मसभा मे तपस्वीयो और अतिथियों का श्रीसंघ के अध्यक्ष सुरेश चंद नागौरी, महामंत्री रोशनलाल जैन,राजेंद्र खोखावत और श्राविका मंडल की मंजू सिरोया,संतोष जैन,पुष्पा खोखावत आदि ने सभी का सम्मान किया गया।

प्रवक्ता निलिप्का जैन

सद्कर्म करके ही आत्मा परमात्मा बनती है: साध्वी ज्योति प्रभा

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। सद्कर्म करके ही आत्मा परमात्मा बनती है। सोमवार को शास्त्रीनगर अहिंसा भवन मे चातुर्मार्थ विराजित साध्वी ज्योति प्रभा ने प्रवचन धर्मसा मे श्रध्दालुओं को धर्म उपदेश प्रदान करतें हुए कहा कि सद्कर्मों के माध्यम से आत्मा की शुद्धि होती है, और यह मोक्ष (मुक्ति) की ओर अग्रसर होती है। मोक्ष वह अवस्था है जहाँ आत्मा संसार के बंधनों से मुक्त होकर परमात्मा के साथ मिल जाती है। यह मार्ग आध्यात्मिक अभ्यास, ध्यान, भक्ति, और सेवा, जिनवाणी के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। साध्वी ऐश्वर्य प्रभा ने कहां की जीवन में कितनी भी बाधाएँ आएं, व्यक्ति को साधना का मार्ग नहीं छोड़ना चाहिए। साधना, चाहे वह ध्यान, प्रार्थना, योग, या किसी अन्य आध्यात्मिक अभ्यास के रूप में हो, व्यक्ति को आंतरिक शांति, संबल और धैर्य प्रदान करती है। महासाध्वी मनोहर कंवर ने चौपाई के माध्यम से फरमाया कि साधना के मार्ग पर निरंतरता और समर्पण ही व्यक्ति को अंततः आत्म-साक्षात्कार और परमात्मा की अनुभूति की ओर ले जाती है। अहिंसा भवन के मुख्य मार्गदर्शक अशोक पोखरना ने बताया कि इस दौरान चितौड़गढ़, कोटा, टोंक, अजमेर, आदि क्षेत्रों से दर्शनार्थ पधारें अतिथियों का अहिंसा भवन के अध्यक्ष लक्ष्मणसिंह बाबेल, हेमंत आंचालिया, मंत्री दिनेश मेहता,हिम्मत सिंह बापना,अमर सिंह संचेती,अमर सिंह बाबेल, कुशलसिंह बुलिया,जसवंत सिंह डागलिया और चंदनबाला महिला मंडल की अध्यक्षा नीता बाबेल,संरक्षिका मंजु पोखरना,उमा आँचलिया,मंत्री रजनी सिघंवी,मंजु बापना कांता छाजेड़, कोषाध्यक्ष सुनीता झामड़, अनु बापना,सरोज मेहता आदि सभी ने अतिथियों और तपस्या करने वालो का स्वागत किया।

जायंट्स ग्रुप आफ नक्षत्र ने मनाया सावन उत्सव

आयुष पाटनी. शाबाश इंडिया

जोधपुर। जायंट्स ग्रुप ऑफ नक्षत्र की अध्यक्ष सुनीता सांखला ने बताया की फेडरेशन अधिकारी कुसुम जैन की अध्यक्षता में ग्रुप का सावन उत्सव मनाया गया। इस उत्सव में हाउजी गेम, 1 मिनट गेम ,डांस प्रतियोगिता , घूमर नृत्य ,कैटवॉक आदि सभी रखे गए। सभी लेडिस लहरिया पहनकर सज धज के आई ।सब ने सभी कार्यक्रम में बडे ही जोश से हिस्सा लिया आज के इस कार्यक्रम में मिसेज सावन का ताज कोमल चौधरी को पहनाया गया। फर्स्ट रनर अप विनीता धारीवाल रही। वन मिनट गेम में कोमल चौधरी, संगीता चौरडिया फर्स्ट व सेकंड रही सभी आने वाली लेडिस को कुसुम जैन की तरफ से रिटर्न गिफ्ट दिया गया ।सभी लेडिस ने डांस का फुल इंजॉय किया। आज इस कार्यक्रम की एंकर मोनिका चौरडिया थी उन्होंने बहुत ही अच्छे तरीके से प्रोग्राम को सभाला। अंत में आने वाले सभी मेहमानों को सचिव सुमित्रा मंडोत की तरफ से धन्यवाद दिया गया।

नि:शुल्क चिकित्सा एवं जांच शिविर गुरुवार को

जवाहर नगर जैन मंदिर में आयोजित होगा शिविर

जयपुर. शाबाश इंडिया। मानव एवं समाजसेवा के क्षेत्र में कार्यरत जैन सोश्यल ग्रुप हैरिटेज सिटी, जयपुर द्वारा संगिनी फारम जेएसजी हैरिटेज सिटी एवं श्री दिगम्बर जैन मंदिर प्रबंधकारिणी समिति जवाहर नगर के सहयोग से गुरुवार 15 अगस्त को नि:शुल्क चिकित्सा व जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष सुभाष बज ने बताया कि जैन सोश्यल ग्रुप्स इन्टरनेशनल फेडरेशन नार्दन रीजन के तत्वावधान में गुरुवार को प्रातः 9.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक श्री दिगम्बर जैन मंदिर सैक्टर 7 जवाहर नगर में आयोजित होने वाले विशाल मल्टीस्पेशलिटी नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श एवं जांच शिविर में नाक कान गला स्पेशलिस्ट डॉ. सुदीप जैन, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ रमेश विजय, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ शारदा विजय, डॉ संगीता जैन, गुर्दा रोग विशेषज्ञ डॉ नवनीत सक्सेना, उदर रोग विशेषज्ञ डॉ अमित माथुर, ह्दय रोग विशेषज्ञ डॉ दीपेन्द्र भटनागर, प्लास्टिक सर्जरी रोग विशेषज्ञ डॉ राकेश जैन, जनरल फिजिशियन डॉ दीपक चौहान अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। अध्यक्ष नितिन पाटनी ने बताया कि शिविर में ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, ईसीजी, ईयर स्क्रीनिंग की नि:शुल्क सुविधा उपलब्ध रहेगी। सचिव अरुण पाटनी के मुताबिक कार्यक्रम के लिए डॉ सुदीप जैन, प्रदीप बज एवं अरविन्द पाटनी को संयोजक बनाया गया है।

सौभाग्य दशमी गुरुवार 15 अगस्त को

जैन मंदिरों में होगी पूजा-अर्चना महिलाएं रखेगी उपवास

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन समाज की महिलाओं द्वारा गुरुवार, 15 अगस्त को सौभाग्य दशमी मनाई जाएगी । इस दिन जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किए जाएंगे। महिलाओं द्वारा दिन भर निराहार रहकर उपवास किया जाएगा। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक इसे सुहाग दशमी भी बोलते हैं। इस दिन महिलाओं द्वारा पति की लम्बी उम्र एवं स्वस्थ रहने एवं खुशहाली की कामना करते हुए उपवास किया जायेगा। दिगम्बर जैन मंदिरों में सौभाग्य दशमी व्रत की पूजा की जायेगी। जैन धर्म के 11 वें तीर्थकर भगवान श्रेयांसनाथ का मोक्ष कल्याणक सोमवार 19 अगस्त को जैन के मुताबिक सोमवार,19 अगस्त को रक्षा बंधन एवं जैन धर्म के ग्यारहवें तीर्थंकर भगवान श्रेयांसनाथ का मोक्ष कल्याणक दिवस मनाया जावेगा। जिनवाणी एवं साधू संतो, आर्यिका माताजी की पिच्छिका के श्रावको द्वारा रक्षा सूत्र बांधा जाकर धर्म एवं जिनवाणी तथा दिगम्बर जैन संतों की रक्षा करने का संकल्प लिया जाएगा। इसी दिन मुनि विष्णु कुमार की पूजा भी की जाएगी।

।। श्री पार्श्वनाथ नमः ।।

JSG Jain Social Groups Group No. 225 बन्धुत्व से प्रेम

जैन सोश्यल ग्रुप हैरिटेज सिटी
संगिनी फोरम जे एस जी हैरिटेज

श्री दिगम्बर जैन मन्दिर प्रबन्ध समिति, जवाहर नगर
के सौजन्य से
जेएसजी नॉर्दन रीजन के तत्वाधान में
विशाल मल्टीस्पेशलिटी
नि: शुल्क चिकित्सा परामर्श एवं जॉच शिविर

गुरुवार दिनांक 15 अगस्त, 2024 समय - प्रात: 9.30 से दोपहर 12.30 बजे तक

स्थान : श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, सेक्टर 7, जवाहर नगर, जयपुर

Dr. SUDEEP JAIN
Ear Nose Throat and Allergy Specialist

Dr. RAMESH VIJAY
Orthopedic Surgeon

Dr. SHARDA VIJAY
Gynaecologist

Dr. NAVNEET SAXENA
Consultant Nephrologist

Dr. AMIT MATHUR
Gastroenterology

Dr. DEEPENDRA BHATNAGAR
Cardiologist

Dr. R. K. JAIN
Cosmetic, Laser Burn, Plastic Surgeo

Dr. SANGEETA JAIN
Gynaecologist

Dr. DEEPAK CHAUHAN
General Physician

कार्यक्रम संयोजक डॉ सुदीप जैन, प्रदीप बज, अरविन्द पाटनी
9829060126 9829058271 9829057340

मंगलमप्लस मेडिसिटी हॉस्पिटल द्वारा
नि:शुल्क जाँच : ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, ई.सी.जी., ईयर स्क्रीनिंग

जैन सोश्यल ग्रुप हैरिटेज सिटी
Subhash Baj Founder President
Nitin Patni President
Arun Patni Secretary
Mahaveer Sethi Im. Past - President
Mukesh Kasliwal Past Presidents
Arvind Patni Past Presidents
Shanti Kala Past Presidents
Pradeep Baj Vice - President
Dr. Sudeep Jain Joint-Secretary
Rajeev Baj Treasurer
Sunil Bakliwal Executive Members
Rajendra Godika Executive Members
Suresh Ajmera Executive Members
Vimal Jain Executive Members

संगिनी फोरम जे एस जी हैरिटेज
Shalini Jain Founder President
Alka Baj President
Aarti Jain Secretary
Shashi Baj Vice President
Sunita Deewan Joint Secretary
Renu Baj Treasure Executive
Surila Sethi Executive Member
Renu Kala Executive Member
Sunita Patni Executive Member
Sanjay Lata Baj Executive Member
Deepali Patni Executive Member
Usha Choudhary Executive Member
Rashmi Jain Executive Member
Sangeeta Gangwal Executive Member
Meenashi Gangwal Executive Member
Neesha Badjatya Executive Member

प्रबन्ध समिति श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, जवाहर नगर - अध्यक्ष : श्री महेन्द्र बक्शी, सचिव : श्री अजय गोधा

जे एस जी नॉर्दन रीजन - रीजन चेयरमैन : श्री महेन्द्र सिंघवी, रीजन सचिव : श्री सिद्धार्थ जैन, रीजन चेयरमैन इलेक्ट: श्री राजीव पाटनी

श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद्

श्री महावीर दिगम्बर जैन उच्च माध्यमिक विद्यालय

महावीर पब्लिक स्कूल

श्री महावीर कॉलेज

श्री पद्मावती जैन बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय

एवम्

पद्मावती पब्लिक स्कूल

के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

78वाँ स्वतन्त्रता दिवस समारोह

में आप सपरिवार इष्ट मित्रों सहित आमन्त्रित हैं।

माननीय श्री उमराव मल जी संघी

अध्यक्ष – शिक्षा परिषद्

समारोह के मुख्य अतिथि होंगें।

निवेदक

श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद्

सुनील बख्शी
मानद् मन्त्री

महेश काला
कोषाध्यक्ष

एवम्

समस्त पदाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्य

रेनू गोस्वामी
आचार्या

सीमा जैन
आचार्या

डॉ. आशीष गुप्ता
प्राचार्य

अन्जू शर्मा
आचार्या

गुरूवार, दिनांक 15 अगस्त 2024, समय – प्रातः 9:30 बजे

स्थान : विद्यालय प्रांगण, महावीर मार्ग, सी–स्कीम, जयपुर

मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में पांच दिवसीय अर्हं स्वात्म साधना शिविर का हुआ शुभारंभ

बिना मोबाइल के मौन रहेगें 200 से अधिक शिविरार्थी

मीरामार्ग के आदिनाथ भवन में सजी सम्मेद शिखर जी की झांकी देखने उमड़े श्रद्धालु

जयपुर. शाबाश इंडिया

मीरामार्ग के आदिनाथ भवन पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में मंगलवार 13 अगस्त से पांच दिवसीय अर्हं स्वात्म साधना शिविर का शुभारंभ हुआ । इस शिविर के लिए पूरे देश से 200 से अधिक शिविरार्थियों ने अपना रजिस्ट्रेशन करवाया है। अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि मंगलवार को शिविरार्थियों की स्वास्थ जांच एवं शारीरिक और मानसिक रूप से जांच की गई। शिविरार्थी पांच दिनों तक बाहरी सांसारिक गतिविधियों से दूर रहेगें। वे बिना मोबाईल के बिल्कुल मौन रहेंगे। कार्यकारिणी सदस्य अरुण जैन एवं अशोक छाबड़ा ने बताया कि इस शिविर में क्षणिक और सदैव व्यस्त जीवन एवं क्षण भंगुरता में कुछ क्षण स्वयं के लिए निकालने के उपाय बताएं जाएगें। मीरामार्ग के आदिनाथ भवन पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में लगाई गई शाश्वत सिद्ध क्षेत्र श्री सम्मेद शिखर जी की सजीव रचना की झांकी को देखने के लिए मंगलवार को भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उमड़े। अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मुखारबिन्द से मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर कवि भूधरदास द्वारा विरचित पार्श्वनाथ पुराण का वाचन किया गया जिसमें जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ के पूर्व भव का वर्णन करते हुए अर्हम इन्द्रों के बारे में बताया। मुनि श्री ने अर्हम इन्द्रों के नवें सुखों का वर्णन करते हुए बताया कि इनकी आयु 27000 सागर वर्ष होती है। ये एक बार आहार लेते हैं तथा साढे तेरह वर्ष के बाद एक बार श्वास लेते हैं। इससे पूर्व शुभम भैया एवं संगीतकार नरेन्द्र जैन के निर्देशन में आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की संगीतमय पूजा की गई। आचार्य समय सागर महाराज एवं मुनि प्रणम्य सागर महाराज का अर्घ्य चढाया गया। तत्पश्चात समाजश्रेष्ठी अतुल - शशि सोगानी परिवार द्वारा संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज एवं आचार्य समय सागर महाराज के चित्र का जयकारों के बीच अनावरण किया गया। भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया गया। तत्पश्चात मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के पाद पक्षालन एवं शास्त्र भेट करने का पुण्यार्जन किया। समिति के विजय जैन एवं अशोक गोधा ने बताया कि इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में युवा समाजसेवी विनोद जैन कोटखावदा, सुधीर कासलीवाल, पदम पाटनी, राजेश गंगवाल, विजय सोगानी ने मुनि श्री को श्रीफल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। समिति के कार्यकारिणी सदस्य एडवोकेट राजेश काला एवं अशोक गोधा ने बताया कि मीरामार्ग के श्री आदिनाथ भवन पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में बुधवार, 14 अगस्त को प्रातः 8.15 बजे श्री पार्श्वनाथ कथा का संगीतमय आयोजन आयोजन किया जाएगा इस मौके पर आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की पूजा एवं मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगें। मुनि श्री की आहारचर्या प्रातः 9:40 बजे होगी। दोपहर में 3.00 बजे शास्त्र चर्चा होगी। गुरुभक्ति एवं आरती सांय 6:30 बजे एवं वैयावृत्ति रात्रि 8:30 बजे होगी।

डाक्टर मधु भट्ट तैलंग संस्कार भारती जयपुर प्रांत की अध्यक्ष निर्वाचित

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर प्रांत की साधारण सभा की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जयपुर प्रांत के क्षेत्राधिकार में विभिन्न जिलों टोंक,सीकर, झुंझूनू, बहरोड़, जयपुर ढूंढाड़ सांस्कृतिक क्षेत्र, महानगर जयपुर,ईकाइयों के पदाधिकारी एवं सदस्य प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित थे।दो सत्रों में चली बैठक में आत्माराम सिंघल, मुख्य निर्वाचन अधिकारी के मार्गदर्शन में निर्वाचन सम्पन्न हुआ। जिसमें डॉ.प्रो.मधुभट्ट तैलंग सर्व सम्मति से जयपुर प्रांत की अध्यक्ष निर्वाचित हुई। बनवारी लाल चेजारा, जयपुर प्रांत के महामंत्री नियुक्त किए गए। मदन मोहन सिंह चौहान प्रांत कोषाध्यक्ष नियुक्त हुए । इस अवसर पर राष्ट्रीय महामंत्री अश्विन दलवी ने अपने उद्बोधन में कहा कि ₹संस्कार भारती कला जगत में वैचारिक संगठन है। कला के विभिन्न आयामों को अपनी कार्ययोजना में लेते हुए, हमें परम्परागत विधाओं की परिसीमा से बाहर आकर कार्यक्रम और कला - संस्कारों में नवाचार अपनाने होंगे।प.पू.सरसंघचालक जी के द्वारा ,कला साधक संगम में,संस्कार भारती की अब तक की यात्रा और कार्य के प्रति अपने प्रकट संतोष और प्रसन्नता हमारी उपलब्धियां हैं। संस्कार भारती के द्वारा समाज परिवर्तन के लिए सरसंघचालक जी ने जो विचार प्रकट किये है ,उसके अनुरूप कार्यकताओं को कला जगत में काम करना होगा। तभी हम उनकी अपेक्षाओं पर खरा उतर पायेंगे। नव निर्वाचित अध्यक्ष डॉ मधु भट्ट तैलंग ने सबके सहयोग, स्नेह के प्रति आभार व्यक्त किया और आशा व्यक्त की कि सबके सहयोग और समर्थन से मिलकर काम करेंगे। उद्घाटन एवं समापन सत्र की अध्यक्षता जयपुर प्रांत की निर्वाचित अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. मधु भट्ट तैलंग द्वारा की गई। उद्घाटन सत्र के उद्बोधन में उन्होंने सभी प्रतिभागी प्रतिनिधियों का स्वागत किया । सांगठनिक गतिविधियों एवं आगामी कार्य योजना का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया। नव नियुक्त महामंत्री बनवारी लाल चेजारा ने सबका आभार व्यक्त किया।

जस्टिस पंकज भंडारी ने किया चेस टूर्नामेंट पोस्टर का विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान हाई कोर्ट की 75 वी वर्षगांठ के अवसर पर हाईकोर्ट बार एसोसिएशन एवं चेस पैरेंट्स एसोसिएशन राजस्थान के संयुक्त तत्वाधान में हाई कोर्ट स्थित सतीश चंद्र सभागार में चेस टूर्नामेंट का आयोजन रविवार दिनांक 18 अगस्त 2024 को किया जाएगा। जिसके पोस्टर का विमोचन हाई कोर्ट जस्टिस पंकज भंडारी के कर-कमलों से किया गया । इस अवसर पर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट प्रहलाद शर्मा, सचिव एडवोकेट सुशील पुजारी, टूर्नामेंट को-ऑर्डिनेटर एडवोकेट प्रीति भंडारी, आयोजन सचिव एडवोकेट अरविंद चावला व अनेक एडवोकेट उपस्थित रहे। चेस पैरेंट्स एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी जिनेश कुमार जैन ने बताया कि 7,8 सितंबर 2024 को रटर इंडोर स्टेडियम में ओपन अंतरराष्ट्रीय रेटिंग शतरंज टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा, जिसमें 3 लाख रुपये कैश मनी एवं बहुत से ट्रॉफिज प्राइज मनी के रूप में रखी जाएगी। **मीडिया प्रभारी : जिनेश कुमार जैन**

सूरसदन प्रेक्षागृह में मनाया मेडिटेशन गुरु उपाध्यायश्री का 41वां अवतरण दिवस समारोह

आगरा. शाबाश इंडिया

12 अगस्त को आगरा के एमजी रोड स्थित सूरसदन प्रेक्षागृह में अर्पितमय पावन वर्षायोग समिति कमलानगर के तत्वावधान में मेडिटेशन गुरु उपाध्यायश्री विहसंतसागर जी महाराज का 41वां अवतरण दिवस समारोह मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत डी ब्लॉक कमलानगर जैन मंदिर से उपाध्यायसंघ की शोभायात्रा के साथ हुई। शोभायात्रा के कार्यक्रम स्थल पहुंचने पर भक्तों ने पुष्पवर्षा से उपाध्यायसंघ का स्वागत कियो। रुपाली जैन एंड पार्टी के कलाकारों ने भक्ति गीत पर बहुत सुंदर नृत्य कर मंगलाचरण की प्रस्तुति दी। अर्पितमय पावन वर्षायोग समिति कमलानगर के पदाधिकारीओं ने समाधिस्थ आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्वलन कियो ग्रेटर कमलानगर जैन समाज की समस्त महिला मंडलों ने भी बहुत सुंदर भक्ति गीत पर नृत्य प्रस्तुत किया। दिल्ली से पधारे संजय जैन एवं रूबी जैन परिवार ने उपाध्यायश्री के चरणों का पाद पक्षालन किया,साथ ही सौभाग्यशाली भक्तों ने उपाध्यायश्री के समक्ष शास्त्र भेंट किऐ बाहर से पधारे गुरुभक्तों ने उपाध्यायश्री विहसंतसागर जी महाराज के समक्ष श्रीफल भेंटकर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर बाहर से पधारे भक्तों ने अष्ट द्रव्यों की थाल सजाकर उपाध्यायश्री विहसंतसागर जी महाराज का पूजन किया । कार्यक्रम के मध्य में भक्तों को उपाध्यायश्री की मंगल वाणी श्रवण करने का अवसर प्राप्त हुआ। इसके बाद इंदौर के सुप्रसिद्ध भजन गायक रूपेश जैन द्वारा भजन संध्या आयोजित की गईजिसमें सूर सदन प्रेक्षागृह में उपस्थित सभी भक्तों ने भजन गायक रुपेश जैन के मधुर जैन भजनों पर उपाध्यायश्री की भक्ति का आनंद लिया। अवतरण दिवस समारोह के मध्य में वर्षायोग समिति ने उपाध्याय श्री विहसन्तसागर जी महाराज के द्वारा विहसन्त सागर पब्लिक स्कूल की योजना का लोकार्पण किया गया,एत्मादपुर रोड पर 3600 गज के प्लाट पर आगरा मे जैन समाज का अपना उइरए पैट्रन पर अंग्रेजी माध्यम स्कूल को खोलने हेतु जहां आगरा के दानवीरों ने दान देने के लिये अपनी तिजोरियां खोलीं,वहीं कार्यक्रम में पधारे विधायक पुरुषोत्तम खंडेलवाल ने भी योजना से प्रभावित होकर शासन के सहयोग से 30 लाख रुपये की राशी स्कूल के लिये घोषित की। इस अवसर पर अर्पितमय पावन वर्षायोग समिति के पदाधिकारीओं ने बाहर से पधारे सभी अतिथियों का माल,दुपट्टा एवं प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत सम्मान किया कार्यक्रम का संचालन मुकेश जैन रपरिया एवं मनोज जैन बाकलीवाल द्वारा किया। इस कार्यक्रम की व्यवस्था ज्ञानोदय क्लब के सदस्यों द्वारा संभाली गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक पुरुषोत्तम खंडेलवाल जी मौजूद रहे। इस अवसर पर प्रदीप जैन पीएनसी,जगदीशप्रसाद जैन,रोहित जैन अहिंसा शिखर जैन सिंघई,मनोज जैन बाकलीवाल , अनिल रईस,अनिल जैन,नरेश जैन,राजकुमार गुड्डू, पारसबाबू जैन,राकेश जैन, सुनील जैन ठेकेदार,नरेन्द्र जैन,राहुल जैन अंहिसा,अनुज जैन,अंकुश जैन, दीपक जैन,प्रवीन जैन नेताजी,अंकेश जैन,राजू गोधा,रजत जैन,पवन जैन चांदी वाले सुरेंद्र पांडया,मीडिया प्रभारी शुभम जैन समस्त आगरा सकल जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। **रिपोर्ट : शुभम जैन**

उपशम के माध्यम से अंदर की वेदना को शांत किया जा सकता है : युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी महाराज

एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर के आनंद दरबार मे धर्मसभा का आयोजन

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नेई। उपशम के माध्यम से व्यक्ति अपनी अंदर की वेदना को शांत कर सकता है।मंगवार को एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर के आनंद दरबार मे श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी महाराज ने प्रवचन धर्मसभा में श्रावक श्राविकाओं धर्म उपदेश प्रदान करतें हुए कहा कि थोड़ी-सी भिन्नता के कारण व्यक्ति के मन में विचार बदलते हैं। अलग-अलग ज्ञान, दर्शन देखते हैं तो मन ऊपर-नीचे हो जाता है। व्यक्ति सत्य से विमुख हो जाता है। सत्य यानी जो शाश्वत, स्थायी हो, हमेशा आपके साथ चलता रहे। ऐसे सत्य का दर्शन कराने वाले, उसे जोड़कर रखने वाले परमात्मा का दर्शन है। वहां भी हमारा मिथ्यात्व शुरू हो जाता है। मिथ्यात्व मोहनीय कर्म का उपशम भी होता है। उपशम यानी हमारे कर्मों को दबा देना। जैसे पानी में फिटकरी डालने से उसमें रही हुई गंदगी नीचे जमा हो जाती है और पानी शुद्ध हो जाता है। वैसे ही वह एक तरह से मोहनीय कर्म का उपशम हो जाता, दर्शन का स्वरूप प्रकट हो जाता है। कर्मों के दबने को उपशम और उससे उत्पन्न जीव के शुद्ध परिणामों को औपशामिक भाव कहते हैं। युवाचार्य प्रवर ने कहा उपशम और क्षयोपशम में पहले उपशम को रखा गया है क्योंकि उपशम साधना की शुरूआत है, क्षयोपशम बाद में आएगा। उन्होंने कहा जीवन में कोई प्रसंग में पहले उपशम का ध्यान दें। यह हमारी साधना में आगे बढ़ने का उपाय है। गुणस्थान की अपेक्षा से चौथे गुणस्थान से 11वें गुणस्थान (उपशांत मोहनीय) तक काम आता है। जीवन में बहुत ऊंचे पद तक ले जा सकते हैं। महापुरुषों के जीवन में भी कठिनाइयां आती है लेकिन उन्होंने उपशम के माध्यम से अंदर की वेदना को शांत किया। उपशम सम्यक्त्व प्रारंभ है और यदि वह सही हो गया तो क्षयोपशम में प्रवेश कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जीवन की साधना में उस जगह तक पहुंचना है तो पहले यथाप्रवृत्ति, फिर अनिवृत्ति द्वारा बिना रुके आगे बढ़ते रहना। इसके बाद पुरुषार्थ आएगा।उन्होंने कहा कोई भी चीज को क्रम से सीखनी चाहिए। हम यदि कोई कार्य प्रोसेस से करते हैं तो उसमें आनंद की अनुभूति होती है। हमारे शास्त्रों में उल्लेख आता है कि थोड़े समय के लिए भी सम्यक्त्व आ जाता है तो जन्म मरण से मुक्ति मिल सकती है। उन्होंने कहा तपस्या कभी भी हमारे शरीर को बीमार नहीं कर सकती। चर्या को सुचारू रूप से न रखें, तो बात अलग है। उन्होंने कहा तपस्या दवा की तरह है, पारणा परहेज की तरह है। साधना में आगे बढ़ने के लिए उपशम बहुत महत्वपूर्ण है। विकल्पों में उलझकर हमारी श्रद्धा कम न हो। परमात्मा के वचनों को लेकर जीवन में आगे बढ़ें। साध्वी अणिमाश्री जी ने फरमाया कि प्रमाद और अप्रमाद के बीच का अंतर बताते हुए कहा कि प्रमाद मनुष्य के आध्यात्मिक प्रगति में बाधा डालने वाला एक नकारात्मक गुण है और अप्रमाद सकारात्मक गुण है जो आध्यात्मिक और नैतिक विकास मे आवश्यक है। इस दौरान आरक्कोणम के उत्तमचंद सुराणा व पूजा गेलड़ा ने 11 उपवास के प्रत्याख्यान लिए वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ तमिलनाडु की ओर से तपस्यार्थियों का बहुमान किया गया। मंगलवार को नवकार मंत्र जप व अन्नदान के लाभार्थी भीकमचंद पदमचंद लुंकड़ परिवार थे। महासंघ के मंत्री धमीचंद सिघंवी ने जानकारी देते हुए बताया कि मुम्बई पनवेल श्रीसंघ अध्यक्ष राजेश बांठीया मंत्री संतोष मुनोथ ,ट्रष्टी शीतल बांठीया,मेवाड़ संघ अध्यक्ष शैलेंद्र खेरोदिया,संरक्षक मदनलाल चपलोत आदि पदाधिकारियों ने विगत दिनों श्रमणसंघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी आदि ठाणा के वर्ष 2025 मे पनवेल चातुर्मास करने विनती की उसकी कम्र को आगे बढ़ातें हुए सुरत मे विराजित श्रमणसंघीय आचार्य श्री शिवमुनि जी महाराज को युवाचार्य प्रवर केवर्ष 2025 मे पनवेल मे चातुर्मास का विनती पत्र प्रदान किया।

थर्मल सी आई एस एफ का हर घर तिरंगा अभियान

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। ग्रह मंत्रालय भारत सरकार के निदेर्शानुसार केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल कोटा थर्मल इकाई द्वारा उप कमांडेंट अवधेश कुमार के नेतृत्व में सी आई एस एफ के जवानों द्वारा दुपहिया वाहन रेली का आयोजन किया गया । तिरंगा वाहन रेली परेड ग्राउंड से चम्बल रिवर फ्रंट तक निकाली गई जिसके परिपेक्ष में इकाई संयंत्र , सकतपुरा व थर्मल कालोनी के आस पास के नागरिकों को 13 अगस्त से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान के तहत अपने घरों पर तिरंगा लगाने के लिये प्रोत्साहित किया। तिरंगा वाहन रेली में सी आई एस एफ के 50 जवानों के साथ कई नागरिकों ने अपने वाहनों पर तिरंगा लगाकर देशभक्ति का परिचय दिया।

दोस्ती दुनिया की सबसे बड़ी दौलत हैः आचार्य श्री पुलक सागर जी महाराज

ऋषभदेव. शाबाश इंडिया। भट्टारक यश कीर्ति दिगम्बर जैन गुरुकुल मंदिर में चातुर्मास करने विराजित भारत रत्न राष्ट्र संत परम पूज्य आचार्य श्री पुलक सागर जी महाराज ने ज्ञान गंगा महोत्सव के अमृत प्रवचन में कहा दुनिया का सबसे सबसे बड़ा रिश्ता दोस्ती है जब हम रिश्तो के बाजार में पहुंचे तो हमारे कदम भटक गए वहा खुलेआम बाजार में रिश्ते बिक रहे थे हमने कपाते हुए होठों से पूछारिश्ता क्या भाव चल रहा है रिश्तो का दुकानदार ने पूछा आपको कौन सा रिश्ता चाहिए यहां हर रिश्ता बिकता है बाप बेटे का रिश्ता भाई बहन का रिश्ता मां बेटी का रिश्ता सास बहू का रिश्ता भाभी देवर का रिश्ता इंसानियत और मानवता का रिश्ता रिश्ता हमें यह मिलता है हमने कहा की दोस्ती के रिश्ते का क्या भाव है तो उन्होंने कहा दोस्ती का रिश्ता या कभी नहीं बिकता है और जिस दिन रिश्ता भी बिकेगा भारत भारत नहीं रहेगा समाज समाज नहीं रहेगी दोस्ती का रिश्ता कभी

बिकता नहीं है यह रिश्ता बच्चे जवान बुढो सभी को उसकी आवश्यकता होती है मैं अपने भक्तों शिष्यों चेलों का गुरु नहीं मानता मैं हमेशा उनको अपना दोस्त मानता हूं दोस्ती में जो आनंद है उतना जीवन में किसी भी रिश्ते में नहीं है दोस्ती जीवन की जागीर है वह सभी रिश्तों से ऊपर उठकर हैदोस्ती से बढ़कर कोई रिश्ता नहीं है जिस दिन दोस्ती बिक जाएगी उसे दिन इंसानियत खत्म हो जाएगी जीवन में तीन चीज नसीब से मिलती है अच्छी पत्नी अच्छी संतान अच्छे दोस्त दोस्त का चयन स्वयं को करना पड़ता है संतान का चयन प्रकृति करती है और पत्नी का चयन माता-पिता और रिश्तेदार करते हैं दोस्त हमारा विचार है दो विचारों का मिलन ही दोस्ती है दो विचार टकराने पर दोस्ती दुश्मन में बदल जाती है जहां हमारे विचार मिलते हैं वही हम जाकर बैठते हैं जीवन में अच्छी पत्नी साठ प्रतिशत दुखों को कम करती है एवं दोस्त जीवन में अस्सी प्रतिशत दुखों को कम करता है दोस्ती का रिश्ता भी अजीब है और यह दुनिया की सबसे बड़ी दौलत है सबसे बड़ा धन है भाग्यशाली व्यक्ति कोही अच्छे दोस्त मिलते हैं दोस्ती का नाम जिंदगी है जिंदगी का नाम दोस्ती है दुनिया में दौलत की कमाई नहीं रहती है शोहरत की कमाई भी नहीं रहती है दुनिया में दोस्ती की कमाई हमेशा रहती है दुनिया में दोस्त की कमाई नहीं है तो जीवन में कुछ भी नहीं है इसलिए उन्होंने कहा एक अच्छे आप दोस्त बने हैं लेकिन वर्तमान समय में सबसे बड़ी समस्या के अच्छे दोस्त नहीं मिलते हैं उन्होंने कहा स्वयं अच्छे दोस्त बन जाओ तो दोस्त अपने आप अच्छेमिल जाएंगे अगर स्वयं अगर अच्छे दोस्त नहीं है तो अच्छे दोस्त जीवन के अंदर कभी नहीं मिलेंगेजीवन में आनंद चाहिए खुशियां चाहिए मस्ती चाहिए दोस्ती बहुत जरूरी है उन्होंने कहा सभी रिश्तों में दोस्ती हो सास बहू की दोस्ती हो बाप बेटे की दोस्ती हो भाई भाई की दोस्ती हो भाई बहन की दोस्ती हो तो जितनी भी समस्या है वह समाप्त हो जाती है आपस पड़ोसियों में भी दोस्ती होनी चाहिए आज भारत के चारों पड़ोसियों की दोस्ती नहीं है इसलिए भारत चारों संकट से घिरा हुआ है।

यथार्थ ज्ञान ही सम्यग्ज्ञान हैः मुनि श्री 108 पावनसागर जी

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुगार्पुरा में परम पूज्य मुनि श्री 108 पावनसागर जी महाराज ने प्रवचन में बताया कि यथार्थ ज्ञान ही सम्यग्ज्ञान है। धन कन कंचन राज सुख सबही सुलभ कर जान दुर्लभ है संसार में एक यथार्थ ज्ञान अक्सर ज्ञान ही ज्ञान नहीं होता यथार्थ ज्ञान ही सम्यग्ज्ञान है । आचार्य कुंदकुंद के अनुसार मुनि शिवभूति का उदाहरण हम सब जानते हैं कि उन्हें णमोकार भी याद नहीं होता था, लेकिन वे अपने मुनि धर्म की चर्या में खरे थे। अष्ट प्रवचन मातृका का अर्थात पांच समिति और तीन गुप्ति का पूरा पालन करते थे। उन्होंने दाल और छिलके के उदाहरण से आत्मा और शरीर के भेद विज्ञान को जाना और इसी यथार्थ ज्ञान से केवल ज्ञान हो गया। आत्मा के परिणामों की सरलता से ही मोक्ष की प्राप्ति हो गई अतः हम सभी को अन्तर परिणामों में सरलता रखनी चाहिए ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द चांदवाड़ ने बताया कि प्रवचन के शुभारंभ में दीप प्रज्वलन ताराचंद चांदवाड, सुनील संगही, विमल कुमार गंगवाल ने, मंगलाचरण सुशीला काला ने एवं जिनवाणी भेंट शीला काला व पुष्पा गंगवाल ने की। पंडित अजित जैन ने जिनवाणी स्तुति की। सभी ने आचार्य श्री व मुनि श्री को अर्घ्य समर्पित कियो ट्रस्ट के मंत्री राजेन्द्र काला ने सभी का आभार व्यक्त किया। मुनिश्री के प्रवचन प्रतिदिन प्रातः 8.30 बजे हो रहे है।

मदनगंज किशनगढ़ की होनहार पायलेट सुश्री तन्वी कासलीवाल का किया भव्य अभिनंदन

मदनगंज किशनगढ़. शाबाश इंडिया। मदनगंज किशनगढ़ की होनहार लाडली बिटिया जीवन ज्योति नगर निवासी सुनील- बबीता कासलीवाल की होनहार बिटिया तन्वी के पायलेट बनने के बाद पहली बार घर आने पर परिवार जनों सहित क्षेत्रवासियों ने बहुमान कर तन्वी का बैन्ड बाजों से भव्य स्वागत किया, कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा को जानकारी पर ज्ञात हुआ कि सुश्री तन्वी कासलीवाल पायलेट बनने के बाद अमेरिका से लौटने के पर जैसे ही किशनगढ़ पहुंची तो कॉलोनी वासियों ने ढोल धमाकों के साथ कर उसके कमलों में पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। बाद में उन्हें विंटेज कार में बिठाकर जुलूस के रूप में घर पर लाया गया, विश्व पटल पर किशनगढ़ का नाम रोशन करने वाली बिटिया तन्वी का माला पहनाकर व तिलक लगाकर अभिनंदन किया गया, कार्यक्रम में समाज सेवी गौरव पाटनी ने बताया कि तन्वी को पायलट का लाइसेंस दो महीने पूर्व यूएसए की फ्लोरिडा से मिला है और वह ट्रेनिंग के बाद प्रथम बार किशनगढ़ पहुंची, कार्यक्रम में मुनि भक्त राजेश पांडया ने बताया कि भारत देश की दिगंबर जैन समाज की पहली महिला कमर्शियल पायलेट है और तन्वी की उपलब्धि से सारे जैन समाज के लोगों में भी हर्ष व्याप्त है,पार्षद सुशील अजमेरा ने बताया कि स्वागत अभिनंदन करने में राजेश पांडया, सुशील अजमेरा, गौरव पाटनी सुभाष चौधरी,ललित पाटनी, चंद्र प्रकाश बैद, प्रकाश चौधरी,पुष्पा पांडया, ऐलिस कासलीवाल,पुष्पा पाटनी, शकुंतला मिश्रा, इंद्रा अजमेरा, कीर्ति जैन, मंजू सेठी, गायत्री अग्रवाल, शिल्पा पाटनी,गुणमाला बाकलीवाल, ममता अग्रवाल,अंजू पाटनी, साक्षी चौधरी, सुषमा दोषी, मीना चौधरी, संतोष छापरवाल, गरिमा चौधरी, आरती वैद ललिता शर्मा, अरुणा गोयल रीटा पाटनी सहित अनेक कॉलोनी वाले उपस्थित थे।